www.deshkiupasana.com

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

RNI NO - UPHIN/2022/86937

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

DKU LIVE

सब पर नज़र, सबकी ख़बर

वर्ष – 04 | अंक – 148 | जौनपुर सोमवार, 12 जनवरी 2026 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज – 4 | मूल्य – 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

गणतंत्र दिवस से पहले बड़ी आतंकी साजिश नाकाम

जम्मू–कश्मीर, (एजेंसी)। जम्मू–कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास सुरक्षा बलों ने पाकिस्तान की एक बड़ी आतंकी साजिश को विफल कर दिया है। जम्मू कश्मीर के सांबा जिले में अंतरराष्ट्रीय सीमा के पास एक अग्रिम क्षेत्र से पाकिस्तान की तरफ से ड्रोन के जरिए गिराई गई हथियारों की खेप बरामद की गई है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि दो पिस्तौल, तीन मैगजीन, 16 कारतूस और एक ग्रेनेड सहित अन्य सामान बरामद किया गया है। उन्होंने कहा कि गणतंत्र दिवस समारोह को बाधित करने के आतंकवादियों के किसी भी प्रयास को विफल करने के लिए सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। अधिकारियों ने बताया कि सीमा पार से ड्रोन की संदिग्ध गतिविधि की सूचना मिलने के बाद सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) और जम्मू कश्मीर पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) की एक संयुक्त टीम ने शुक्रवार देर रात घगवाल क्षेत्र के पलोरा गांव में तलाश अभियान शुरू किया। अधिकारियों के अनुसार, तलाशी दल को एक नाले के किनारे पीले रंग की टेप में लिपटा एक पैकेट मिला, जिसे बम निरोधक दस्ते की मदद से खोला गया। उन्होंने बताया कि पैकेट से हथियार बरामद किए गए। अधिकारियों ने बताया कि अंतिम सूचना मिलने तक तलाश अभियान जारी था।

हिजाब पहनने वाली बेटी एक दिन भारत की प्रधानमंत्री बनेगी : असदुद्दीन ओवैसी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। एआईएमआईएम प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी ने कहा है कि हिजाब पहनने वाली महिला एक दिन भारत की प्रधानमंत्री बनेगी। महाराष्ट्र के सोलापुर में जनसभा को संबोधित करते हुए ओवैसी ने कहा, श्पाकिस्तान के संविधान में लिखा हुआ है कि सिर्फ एक ही मजहब का आदमी प्रधानमंत्री बन सकता है। बाबा साहब आंबेडकर का जो संविधान है, वो कहता है कि भारत का कोई भी नागरिक वजीर–ए–आजम बन सकता है। असदुद्दीन ओवैसी का ख्वाब ये है कि एक दिन आएगा जब हिजाब पहनने वाली बेटी इस देश की वजीर–ए–आजम बनेगी। भले हम और आप रहें या ना रहें। ऐसा हो सकता है कि तब तक जमीन में हमारी हड्डियां भी गुम जाएंगी। मगर देखना, एक दिन ऐसा होगा।श असदुद्दीन ओवैसी ने कहा कि मुसलमानों के खिलाफ जो नफरत तुम भड़का रहे हो, ये ज्यादा दिन तक नहीं चलेगी।नफरत फैलाने वालों तुम खत्म हो जाओगो। मोहब्बत जब आम होगी तो लोगों को मालूम होगा कि कैसे इनके दिलों–दिमाग में जहर भर दिया गया था। इस बीच, ओवैसी के हिजाब वाले बयान पर राजनीतिक प्रतिक्रियाएं आनी शुरू हो गई हैं। राजद सांसद मनोज कुमार झा ने कहा, कोई भी प्रधानमंत्री बन सकता है, उसके पहनावे पर कभी वोटिंग नहीं होतीसंविधान क्या कहता है कि ऐसा कपड़ा पहनने वाला ही पीएम होगा।

युवा साथियों से संवाद को लेकर उत्सुक हूं : पीएम मोदी

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को श्विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉगश में देश के युवाओं से संवाद करेंगे। शनिवार को उन्होंने कहा कि वे श्विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉगश में देशभर के अपने युवा साथियों से संवाद को लेकर बेहद उत्सुक हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म श्एक्सश पर केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया के पोस्ट पर जवाब में लिखा, श्अद्भुत जोश और बेमिसाल जज्बे से भरी हमारी युवा शक्ति सशक्त और समृद्ध राष्ट्र के लिए संकल्पबद्ध है। विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग में देशभर के अपने युवा साथियों से संवाद को लेकर बेहद उत्सुक हूं। इस कार्यक्रम में 12 जनवरी को आप सभी से मिलने वाला हूं। इससे पहले, केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया ने श्एक्सश पर पोस्ट के जरिए जानकारी दी कि श्विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉगश के लिए देशभर से 3,000 ऊर्जावान युवा दिल्ली पहुंचे हैं। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भारत की समृद्ध संस्कृति से प्रेरित यह युवा शक्ति श्विकसित भारतश के अपने विचार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सामने पेश करने के लिए पूरी तरह तैयार है। भारत की विकास यात्रा में युवाओं की भागीदारी को बढ़ाने की बड़ी पहल के तहत दिल्ली स्थित श्भारत मंडपमश में श्विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉगश (वीबीवाईएलडी 2026) का दूसरा एडिशन चल रहा है। केंद्रीय मंत्री मनसुख मांडविया के नेतृत्व में युवा कार्यक्रम विभाग आयोजित कर रहा है। राष्ट्रीय युवा महोत्सव से प्रेरित होकर इस डायलॉग का लक्ष्य युवा नेताओं को श्विकसित भारत/2047 का लक्ष्य हासिल करने के लिए नए विचार और समाधान पेश करने के लिए एक गतिशील राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है। यह कार्यक्रम युवाओं, नीति निर्माताओं और राष्ट्रीय व वैश्विक हस्तियों के बीच सार्थक जुड़ाव को बढ़ावा देगा, जिससे युवा नेता देश के भविष्य को आकार देने में सक्रिय रूप से योगदान दे सकेंगे।

होम स्टे और ब्रेड एंड ब्रेकफास्ट योजना के लिए जागरूकता अभियान चलाएगा यूपी टूरिज्म

लखनऊ,, (संवाददाता)। उत्तर प्रदेश में पर्यटन सुविधाओं का विस्तार करने के लिए होम स्टे और ब्रेड एंड ब्रेकफास्ट योजना पर यूपी टूरिज्म प्रदेशव्यापी जागरूकता अभियान चलाएगा। यह अभियान 14 से 30 जनवरी तक मुख्य रूप से प्रदेश के सभी प्रमुख पर्यटन स्थलों वाले शहरों में चलाया जाएगा, जिसमें योजना के प्रचार–प्रसार के साथ लंबित प्रस्तावों का परीक्षण कर योग्य आवेदकों को तत्काल रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट भी दिया जाएगा। यह जागरूकता अभियान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की मंशा के अनुरूप पर्यटन सुविधा के विकास के साथ स्थानीय निवासियों को रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से शुरू किया जा रहा है। अभियान के तहत 14 से 30 जनवरी के बीच जिलों की पर्यटन विभाग की टीमें स्थानीय लोगों को योजना के लाभों के बारे में जागरूक करेंगी। साथ ही लंबित प्रस्तावों का परीक्षण कर योग्य आवेदकों को रजिस्ट्रेशन सर्टिफिकेट भी प्रदान करेंगी। विभाग ने इस अभियान के लिए प्रति जनपद 2 लाख रुपए का बजट आवंटित किया है, जो जागरूकता कार्यक्रमों एवं प्रचार–प्रसार सामग्री पर खर्च किया जाएगा। यह अभियान राज्य के पर्यटन इकोसिस्टम को मजबूत बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा। इस जागरूकता अभियान का विशेष लाभ उन लोगों को होगा जो योजना में शामिल होना चाहते हैं, लेकिन जानकारी के अभाव में योजना से जुड़ नहीं पा रहे हैं।

अजित पवार के साथ मंच पर दिखीं सुप्रिया

मुंबई, (एजेंसी)। एनसीपी और एनसीपी (शरद पवार) ने शनिवार को पुणे नगर निगम चुनाव में एक साथ चुनाव लड़ने के फैसले के बाद अपना संयुक्त घोषणापत्र जारी किया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री अजित पवार और सांसद सुप्रिया सुले ने एक ही मंच साझा किया। शरद पवार और अजीत पवार की पार्टी पुणे और पिंपरी चिंचवाड़ में निकाय चुनाव एकसाथ लड़ रही है। उन्होंने जोर देकर कहा कि संयुक्त मंच से भाजपा और अन्य विपक्षी पार्टियों के सामने मजबूत संदेश जाएगा। अजित पवार ने स्थानीय भाजपा नेतृत्व पर भी निशाना साधा और आरोप लगाया कि राज्य और केंद्र से पर्याप्त फंड मिलने के बावजूद पुणे और पिंपरी–चिंचवाड़ का विकास रोक दिया गया। पिछले नगर निगम चुनावों में 2017 से 2022 तक दोनों निगमों में भाजपा की सरकार थी। इस बार एनसीपी का गठबंधन उनके विकास एजेंडे के साथ जनता के सामने चुनावी विकल्प पेश कर रहा है। गौरतलब है कि महाराष्ट्र में 15 जनवरी को 29 नगर निगमों, जिनमें पुणे और पिंपरी–चिंचवाड़ शामिल हैं, के लिए चुनाव होने हैं। राज्य चुनाव आयोग ने 15 जनवरी को इन क्षेत्रों में सार्वजनिक अवकाश घोषित किया है ताकि अधिक से अधिक लोग वोट डालें। आयोग ने 70: से ज्यादा मतदान सुनिश्चित करने का भी आग्रह किया है। पुणे और पिंपरी–चिंचवाड़ जैसे बड़े शहरी क्षेत्रों में भाजपा अपनी पकड़ बनाए रखने की कोशिश कर रही है, जबकि एनसीपी पिंपरी–चिंचवाड़ के 32–वार्ड निगम में वापसी की तैयारी कर रही है। इस निगम में लगभग 17.13 लाख मतदाता होंगे, जो 128 पार्षदों का चुनाव करेंगे।

अमित शाह ने दिया आत्मनिर्भर भारत का फार्मूला

नई दिल्ली, (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को कहा कि बड़े पैमाने पर आयोजित सामुदायिक सभाएं देश को विभाजित करने के बजाय उसे मजबूत बनाती हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि आत्मनिर्भर समाज ही आत्मनिर्भर भारत की नींव रखता है। शाह जोधपुर में आयोजित माहेश्वरी ग्लोबल कन्वेंशन एंड एक्सपो को संबोधित कर रहे थे, जहां उन्होंने इस बात पर बल दिया कि भारत का सामाजिक ताना–बाना और मजबूत सामुदायिक संरचनाएं राष्ट्रीय एकता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। उन्होंने कहा कि यदि प्रत्येक समुदाय अपने सबसे कमजोर सदस्यों के कल्याण और सुरक्षा की जिम्मेदारी ले, तो इससे पूरे देश का भला होगा। अमित शाह ने कहा कि जब भी सामाजिक समारोह या सामुदायिक कार्यक्रम आयोजित होते हैं, तो कुछ तथाकथित प्रगतिशील लोग उनमें शामिल होने वालों की आलोचना करते हैं। मैंने व्यक्तिगत रूप से ऐसी कई आलोचनाओं का सामना किया है। मेरा मानना छ्है कि हमारे समुदायों की संरचना और इस तरह के बड़े सामुदायिक आयोजन वास्तव में भारत को मजबूत बनाते हैंय वे देश को कभी विभाजित नहीं करते। यदि प्रत्येक समुदाय अपने सबसे गरीब सदस्यों की सुरक्षा और कल्याण की जिम्मेदारी लेता है, तो पूरे देश की देखभाल स्वतः ही हो जाएगी और यदि प्रत्येक समुदाय आत्मनिर्भर हो जाता है, तो पूरा भारत आत्मनिर्भर हो जाएगा। महेश्वरी समुदाय की प्रशंसा करते हुए शाह ने कहा कि इस समुदाय ने ऐसे व्यक्तियों को जन्म दिया है जिन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में राष्ट्र के लिए योगदान दिया है, जिससे भारत एक रत्नजड़ित व्यक्ति की तरह चमक रहा है। उन्होंने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों में अपनी प्रमुखता के बावजूद, यह समुदाय अपनी जड़ों से गहराई से जुड़ा हुआ है। अमित शाह ने कहा कि महेश्वरी समुदाय से निकले रत्नों ने इस देश को हर क्षेत्र में सुशोभित किया है, जिससे यह रत्नजड़ित व्यक्ति की तरह चमक रहा है। देश में सर्वोच्च पदों पर पहुंचने के बाद भी, यदि कोई समुदाय अपनी जड़ों से जुड़ा रहा है, तो वह महेश्वरी समुदाय है। गृह मंत्री ने आगे कहा कि स्वतंत्रता के बाद, जब भारत ने औद्योगिक विकास और आत्मनिर्भरता की ओर अपना सफर शुरू किया।

भाजपा मुसलमानों के खिलाफ नहीं, बल्कि आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ : गडकरी

मुंबई, (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने शुक्रवार को कहा कि भाजपा की विचारधारा जाति और धर्म से ऊपर उठकर सभी के लिए काम करने की सीख देती है और पार्टी मुसलमानों के खिलाफ नहीं है। नागपुर में चुनाव प्रचार के दौरान उन्होंने स्पष्ट किया कि भाजपा का लक्ष्य समाज के हर वर्ग का विकास करना है और किसी के साथ भेदभाव नहीं किया जाता। गडकरी ने कहा कि कुछ विपक्षी नेता जानबूझकर यह भ्रम फैलाते हैं कि भाजपा मुसलमानों के खिलाफ है या सत्ता में आने पर हिंसा होगी। उन्होंने इसे पूरी तरह गलत बताया और कहा कि भाजपा कार्यकर्ताओं को बिना किसी पक्षपात के सभी के लिए काम करना सिखाती है। उनके अनुसार, पार्टी की राजनीति नफरत नहीं, विकास और एकता पर आधारित है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि भाजपा मुसलमानों के खिलाफ नहीं, बल्कि आतंकवाद और पाकिस्तान के खिलाफ है। उन्होंने कहा कि जो मुसलमान इस देश के लिए बलिदान देते हैं, वे उतने ही प्रिय हैं जितने हिंदू। उन्होंने यह भी कहा कि कोई मस्जिद जाए, गुरुद्वारा जाए या बुद्ध विहार, लेकिन सबका खून एक है और हम सभी भारतीय हैं। गडकरी ने कहा कि अगर 15 जनवरी को होने वाले नागपुर नगर निगम चुनाव में भाजपा–शिवसेना गठबंधन को पूर्ण बहुमत मिलता है, तो जनता की सभी उम्मीदें और सपने पूरे होंगे। उन्होंने कहा कि शहर के विकास के लिए ठोस योजनाएं तैयार हैं और उनका सीधा लाभ आम लोगों को मिलेगा। उन्होंने कहा कि भाजपा–शिवसेना गठबंधन के उम्मीदवारों की कार्यक्षमता की गारंटी वह खुद लेते हैं। गडकरी ने अपने और महाराष्ट्र सरकार द्वारा कराए गए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का जिक्र करते हुए कहा कि सड़क, परिवहन और शहरी विकास के क्षेत्र में बड़े काम किए गए हैं। गडकरी ने इस दावे को भी खारिज किया कि भाजपा संविधान बदलना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने संविधान में 80 बार संशोधन किए, जबकि भाजपा संविधान का सम्मान करती है। उन्होंने दोहराया कि वह एक सच्चे भाजपा कार्यकर्ता हैं, लेकिन सांसद होने के नाते उन लोगों के भी प्रतिनिधि हैं जिन्होंने उन्हें वोट नहीं दिया ।

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने बताया एसआईआर का बनाया जा रहा मुद्दा

केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने शुक्रवार को विपक्ष पर तीखा हमला करते हुए कहा कि उसकी घटती लोकप्रियता ही विशेश गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) को लेकर अनावश्यक हंगामे की असली वजह है। उन्होंने दावा किया कि विपक्षी दलों के खिलाफ जनता का गुस्सा बढ़ रहा है और इसी डर से वे चुनावी सुधारों पर सवाल खड़े कर रहे हैं। ग्रेटर नोएडा में इंडिया एक्सपो सेंटर में आयोजित तीन दिवसीय फूड एंड बेवरेजेज प्रदर्शनी में शिरकत करने पहुंचे चिराग पासवान ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि विपक्ष एसआईआर को मुद्दा बनाकर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है। उनके मुताबिक, जनता से जुड़े वास्तविक मुद्दों पर काम करने के बजाय विपक्षी दल चुनावी प्रक्रियाओं पर सवाल उठाकर अपनी नाकामी छिपाना चाहते हैं। चिराग पासवान ने कहा कि बिहार में पिछले साल भी एसआईआर को लेकर इसी तरह का शोर मचाया गया था, लेकिन उसके बावजूद एनडीए को ऐतिहासिक जीत मिली। यह साफ संकेत है कि जनता उन दलों को नकार देती है जो जमीनी मुद्दों से कटे रहते हैं और केवल हंगामे की राजनीति करते हैं। उन्होंने कहा कि चुनाव परिणामों ने विपक्ष के आरोपों की हवा निकाल दी। केंद्रीय मंत्री ने आरोप लगाया कि विपक्ष ने बार–बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ अनुचित भाषा और व्यक्तिगत हमलों का सहारा लिया। उन्होंने चौकीदार चोर है जैसे नारों और वोट चोरी के आरोपों का जिक्र करते हुए कहा कि ऐसे बयानों से विपक्ष की विश्वसनीयता को ही नुकसान पहुंचा है। जनता इन बातों को समझती है और इसका जवाब चुनाव में देती है।

मध्य प्रदेश सरकार करेगी अनामिका की पढ़ाई में मदद : मोहन यादव

भोपाल, (एजेंसी)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सीधी जिले की छात्रा अनामिका की पढ़ाई में मदद का भरोसा दिलाया। साथ ही छात्रा को नीट की कोचिंग और छात्रावास में सहायता देने की बात भी कही। दरअसल, मुख्यमंत्री मोहन यादव शुक्रवार को सीधी प्रवास पर थे और उस दौरान अनामिका की पढ़ाई में मदद की बात सामने आई थी। इस पर शनिवार को सीएम मोहन यादव ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, श्शकल सीधी प्रवास के दौरान बिटिया अनामिका बैगा ने पढ़ाई में मदद हेतु अनुरोध किया था। जानकारी प्राप्त करने पर यह संज्ञान में आया कि अनामिका अभी नीट की तैयारी कर रही है और कोचिंग की पढ़ाई तथा छात्रावास के लिए मदद चाहती है। अभी तक उसने नीट की परीक्षा दी नहीं है।श उन्होंने कहा कि नीट की कोचिंग और अन्य जरूरत संज्ञान में आने के बाद बिटिया के लिए उचित व्यवस्था करने के निर्देश दिए हैं। आगे भी मेडिकल कॉलेज में प्रवेश होने पर राज्य सरकार की ओर से हर संभव सहायता की जाएगी। सीएम मोहन यादव ने उम्मीद जताई कि मुझे पूर्ण विश्वास है कि एक दिन बिटिया अनामिका एक विख्यात चिकित्सक के रूप में मध्य प्रदेश का नाम रोशन करेगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव बीते दिन सीधी जिले की सिंहावल विधानसभा क्षेत्र के तहसील मुख्यालय बहरी में विभिन्न शासकीय विभागों के हितग्राहियों के प्रशिक्षण सह उनमुखीकरण कार्यक्रम में हिस्सा लिया था। इस दौरान उन्होंने कहा कि जनता का सरकार पर अटूट विश्वास ही हमें प्रदेश के समग्र विकास और कल्याण के लिए नई ऊर्जा और ताकत देता है। नए विकास कार्यों और नवरोजगार सृजन से हम प्रदेश की अर्थव्यवस्था को स्थायी मजबूती देने के लिए हर जरूरी प्रयास कर रहे हैं। स्थानीय जनप्रतिनिधियों की मांग पर उन्होंने बहरी में नया कॉलेज खोलने की घोषणा की। यह कॉलेज अगले सत्र से ही प्रारंभ किया जाएगा। उन्होंने सिंहावल और देवसर के महाविद्यालयों में विज्ञान और वाणिज्य संकाय की कक्षाएं प्रारंभ करने की घोषणा की।

वोटों को आधार से जोड़ा जाए अखिलेश की मांग

लखनऊ, (संवाददाता)। अखिलेश यादव ने लखनऊ में प्रेसवार्ता की। उन्होंने कहा, किसी भी पार्टी ने इसका विरोध नहीं किया। मैं बता दूं कि कोई न कोई साजिश चल रही है। च्च। समाज का वोट काटने की और अपना वोट बढ़ाने की। जब एक प्रतिष्ठित अखबार में ये बात सामने कि सरकार ने ये निर्देश दिए हैं कि हर बूथ में 200 वोट बढ़ाए जाएं, तब ये शक और भी गहरा हो जाता है। मेरी मांग कि सभी वोटों को आधार से जोड़ा जाए। यूपी में ठस्र के बनाए गए आंकड़े पंचायत चुनाव की लिस्ट में अलग हैं, जबकि विधानसभा की लिस्ट में अलग हैं। हम ऐसा नहीं होने देंगे। इसके लिए हमने एक प्रारूप तैयार कर लिया है। हम चुनाव आयोग से जांच की मांग करेंगे। अखिलेश यादव ने कहा, जैसे ही ड्राफ्ट वोटर लिस्ट सामने आई, वैसे ही मेरी आशंकाएं सच साबित होती दिख रही हैं। मुझे करीब तीन करोड़ वोट काटे जाने की आशंका थी। प्रक्रिया के दौरान ही खुद उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री ने पहले ही चार करोड़ वोट काटे जाने की बात सार्वजनिक मंचों पर कही थी। अखिलेश यादव ने कहा, जब वोटर लिस्ट अभी आई भी नहीं थी और किसी को यह जानकारी नहीं थी कि कितने वोट हटाए जाएंगे। मुख्यमंत्री ने अपने नेताओं, कार्यकर्ताओं और अधिकारियों के बीच यह बात कही कि करीब चार करोड़ वोट काटे जाएंगे। यह बयान रिकॉर्ड में है। कई लोगों ने सुना भी है। जब पहले से यह आंकड़ा तय कर लिया गया था, तो यह पूरी प्रक्रिया कितनी निष्पक्ष है। वहीं, शुक्रवार को सपा अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने कहा था कि भाजपा सरकार ने प्रदेश की कानून–व्यवस्था को बर्बाद कर दिया है। प्रदेश में अपराध और भ्रष्टाचार चरम पर है। महिलाएं और बेटियां सुरक्षित नहीं हैं। इस सरकार का जीरो टॉलरेंस का वादा जीरो हो चुका है। मेरठ में मां पर कातिलाना हमला और बेटी को उठाकर ले जाने का मामला बेहद गंभीर है। महिला अपराध और साइबर क्राइम में उत्तर प्रदेश सबसे ऊपर पहुंच गया है। प्रधानमंत्री के संसदीय क्षेत्र वाराणसी में रोज 5 महिलाएं हिंसा का शिकार हो रही हैं। हर 15 दिन में दुष्कर्म की शर्मनाक घटनाएं हो रही है। महिला सुरक्षा के झूठे दावे करने वाले मुख्यमंत्री को प्रदेश की जनता 2027 में सत्ता से बाहर कर देगी।

संपादकीय

मोदी सरकार ट्रंप को उचित जवाब दे

ट्रंप ने जिस तरह मोदी की उनसे मिलने की कथित बेसब्री का जिक्र किया और अपाची हेलीकॉप्टरों के सौदे पर गलतबयानी की, वह सिरे से अस्वीकार्य होना चाहिए। मगर इस पर भी भारत सरकार की तरफ से कोई बयान नहीं आया! डॉनल्ड ट्रंप अपनी खामख्यालियों में रहते हैं। आत्म–प्रशंसा में बहते हुए वे अपनी खूबियों का बखान तो करते ही हैं, दूसरों का अपमान करने की हद तक भी अक्सर जाते रहते हैं। इस दौरान वे सच–झूठ की फिक्र नहीं करते। बतौर के अपने दूसरे कार्यकाल में अपमान के तीर उन्होंने जिन निशानों पर बार–बार छोड़े हैं, उनमें भारत और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी हैं। दरअसल, भारत के मामले में बात सिर्फ जुबानी तीर की नहीं है। उन्होंने सबसे ज्यादा आयात शुल्क भारतीय वस्तुओं पर लगा कर अमेरिको को निर्यात से जुड़े देश के कारोबार को भारी क्षति पहुंचाई है। इसी तरह एच–1बी वीजा और स्टूटेंड वीजा के मामलों में उनके प्रशासन ने भारत के प्रति बेहद सख्त रुख अपनाए रखा है। हैरतअंगेज ही है कि अपनी प्रतिष्ठा को लेकर अति संवेदनशील रहने वाली मोदी सरकार ने ट्रंप के हमलों पर चुप्पी साधे रखी है। मगर अब पानी सिर के ऊपर से गुजर रहा है। अपने ताजा बयान में जिस तरह उन्होंने मोदी की उनसे मिलने की कथित बेसब्री का जिक्र किया और अपाची हेलीकॉप्टरों के सौदे को लेकर गलतबयानी की, वह सिरे से अस्वीकार्य होना चाहिए। बिना तथ्यों की जांच किए उन्होंने 68 हेलीकॉप्टरों का जिक्र किया, जबकि भारत ने 28 हेलीकॉप्टर खरीदने का सौदा ही किया है और उनकी जल्द डिलीवरी कराने में ट्रंप का कोई योगदान नहीं है। मगर इस पर भी भारत सरकार की तरफ से कोई बयान नहीं आया! इस चुप्पी के पीछे अगर गणना यह है कि इससे ट्रंप खुश होंगे और भारत से अनुकूल व्यापार समझौता कर लेंगे, तो ऐसी कोई उम्मीद निकट भविष्य में पूरी होती नहीं दिखती। इसलिए अब चुप्पी तोड़ने की जरूरत है। नरेंद्र मोदी की ट्रंप से कितनी गहरी व्यक्तिगत दोस्ती है, यह देशवासियों को नहीं मालूम। यह जानने में उनकी दिलचस्पी भी न्यूनतम है। मगर मोदी देश के प्रधानमंत्री हैं। वे भारत की संप्रभुता का प्रतिनिधित्व करते हैं। ऐसे में विदेशी राजनेता द्वारा उनका हर अपमान भारत का अपमान बन जाता है। हर भारतवासी को इससे मतलब है। इसीलिए ये मांग प्रासंगिक है कि अब मोदी सरकार ट्रंप को उचित जवाब दे।

मिथ्या चेतना का दर्शनशास्त्र

हरदीप एस पुरी

भारत में 2026 के आरंभ में सार्वजनिक बहस नववर्ष के अनुशासन के साथ शुरू होनी चाहिए। हमें पड़ताल और तीखी आलोचनाओं का भी स्वागत करना चाहिए। लेकिन इस बात पर भी जोर देना चाहिए कि बहस के साथ जवाबदेही शामिल हो। कुल 1.4 अरब की आबादी वाले गणराज्य को निराशावाद से नहीं सुधारा जा सकता। रोजगार, उत्पादकता, निर्यात और समावेशन सबसे अच्छे समय में भी आसान नहीं होते। प्रगति डिजाइन, क्रियान्वयन, सुधार और परिमापन के नीरस मेल से आती है। नया साल निराशावाद को संशयवाद से अलग करने का भी क्षण है। फ्रेडरिक नीत्शे ने श्बेयांड गुड एंड ईवल्य में लिखा हैरू श्दार्शनिक को सिर्फ आलोचक या दर्शक होने के बजाय मूल्यों का सर्जक होना चाहिए। उसे तत्वचिंतन जीवन के खिलाफ नहीं, बल्कि उसके नजरिए से करना चाहिए।य लोकनीति में इसी तरह के दृष्टिकोण की दरकार है। आलोचनाओं का स्वागत है। मगर ये साक्ष्य तथा एक जटिल और विविधतापूर्ण लोकतंत्र का शासन चलाने की ज्वलंत बाधाओं से आबद्ध होनी चाहिए। जब संशयवाद एक भंगिमा बन जाए तो यह सुधार संभव बनाने वाली संस्थाओं में विश्वास को खत्म करता है। पिछले वर्षों में टिप्पणी की एक नई विधा सामने आई है। यह संदेह को सुसंस्करण के तौर पर पेश करती है। यह सुधार के कार्य को मजाक में तब्दील कर देती है। यह हर अपूर्ण परिवर्तन को स्थाई नाकामी के सबूत के तौर पर लेती है। यह एक चिरपरिचित सांत्वना पेश करती हैरू भारत कदाचित अपने ही नीति निर्माताओं से अभिशप्त है। इस दृष्टिकोण के अपने नतीजे हैं। यह आंकड़ों और बाजारों में विश्वास को घटाता है। यह उद्यमियों और निवेशकों में नियतिवाद को प्रोत्साहित करता है। साथ ही यह बाहरी ताकतों को वार्ताओं में भारत को दबाव में लाने के लिए तैयार कथानक भी प्रदान करता है। विशेषज्ञता को तथ्यों के प्रति जवाबदेह बने रहना चाहिए। मजबूत पेशेवर और शैक्षिक पृष्ठभूमि का दंभ भरने वाले कुछ टिप्पणीकारों का इस तरह की भंगिमा का सहारा लेना चिंता की बात है। इनमें से कुछ ऐसे टिप्पणीकारों को मैं जानता हूं जिनकी पहचान और विश्वसनीयता भारत पर आधारित है। लेकिन वे संभवतरू ध्यानाकर्षण या अब सरकार का हिस्सा नहीं होने के बावजूद प्रासंगिकता बनाए रखने के लिए देश के खिलाफ अनाप–शनाप बोल कर अपना कॅरियर बनाने की कोशिश में लगे हैं। उनका यह आरोप कि भारत के आंकड़े विशिष्ट तौर पर अविश्वसनीय हैं, हमारी विकास की दिशा के साथ मेल नहीं खाते। माल और सेवा कर (जीएसटी) के अंतर्गत टैक्स संग्रह में जो वृद्धि हुई और इसने अनुपालन की जिस संस्कृति को पैदा किया है वह एक दशक पहले नहीं थी। वर्ष 2024–25 में सकल जीएसटी संग्रह 22 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रहा। यानी औसतन प्रति माह 1.8 लाख करोड़ रुपए जीएसटी का संग्रह किया गया। डिजिटल भुगतान ने वित्तीय प्रदर्शन का एक और निशान छोड़ा है। नवंबर 2025 में यूपीआई के जरिए 26 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रकम के 20 अरब लेन–देन किए गए। ये वृहत और परखे जाने योग्य आंकड़े परिमापन, सत्यापन और तौरतरीकों में सुधार के लिए संभावना का विस्तार करते हैं। कल्याण और समावेशन में परिमापित परिणाम इस नियतिवाद की और हवा निकाल देते हैं। नीति आयोग के राष्ट्रीय बहुआयामी निर्धनता सूचकांक के अनुसार 2013–14 और 2022–23 के बीच लगभग 24 करोड़ भारतीय बहुआयामी गरीबी से बाहर आ गए। अब बहुआयामी निर्धनता लगभग 30 प्रतिशत से घट कर तकरीबन 11 प्रतिशत रह गई है। प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण (डीबीटी) से डिलीवरी दुरुस्त हुई है। वर्ष 2025 में 45 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा का प्रत्यक्ष लाभ हस्तांतरण हुआ। डीबीटी काल में धन के अपव्यय में कमी के जरिए 3.5 लाख करोड़ रुपए से ज्यादा रकम की बचत हुई। वित्तीय समावेशन 56 करोड़ से ज्यादा जन धन खातों के साथ अब सार्वजनिक अवसंरचना बन गया है। वित्तीय अनुशासन में सुधार के प्रभाव अब दिखाई देने लगे हैं। अनुसूचित वाणिज्यिक बैंकों की सकल गैरनिष्पादित परिसंपत्ति (एनपीए) 2018 में 11.2 प्रतिशत से घट कर 2025 में 2.1 प्रतिशत रह गई है। यह सिर्फ खयाली पुलाव बनाने से नहीं हुआ। यह बैलेंस शीट्स की लगातार सफाई, सख्त निगरानी और एक ऐसे तंत्र को प्रतिबिंबित करता है जिसने सदाबहार ऋण और गुप्त हानियों की गुंजाइश को समय के साथ घटाया है। जब आलोचक कहते हैं कि शासन सुधार नहीं कर सकता तो यह आडंबरहीन कायाकल्प उनके लिए पहला जवाब है। भारत बड़े पैमाने पर निर्माण नहीं कर सकता यह आरोप लगाने वाले मैन्युफैक्चरिंग परिवेश में हुए बदलावों को नजरअंदाज करते हैं। उत्पादन–से जुड़े प्रोत्साहन (पीएलआई) कार्यक्रम के तहत, 14 क्षेत्रों में 2 लाख करोड़ रुपये से ज़्यादा का निवेश हुआ है जिससे 18 लाख करोड़ रूपए से ज़्यादा का अतिरिक्त उत्पादन और बिक्री हुई और 12 लाख से ज़्यादा लोगों को रोजगार मिला है।

ट्रंप के 500% टैरिफ हथौड़े का वार बेअसर करेगी मोदी की ढाल

नीरज

अमेरिका ने रूस से तेल खरीदने वाले देशों पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाने की चेतावनी देकर वैश्विक व्यापार में नया तूफान खड़ा कर दिया है। इस कदम को सीधे तौर पर भारत, चीन और यूरोपीय संघ जैसे बड़े बाजारों के खिलाफ दबाव की रणनीति के रूप में देखा जा रहा है। खास बात यह है कि अमेरिका पहले से ही भारत पर ऊंचे टैरिफ लागू कर चुका है लेकिन इसके बावजूद भारत का निर्यात तेजी से बढ़ा है और अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेज गति से आगे बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था बनी हुई है। देखा जाये तो अमेरिकी राजनीति में आक्रामक व्यापार नीति की वापसी हो चुकी है। डोनाल्ड ट्रंप के दौर की टैरिफ भाषा जोर पकड़ रही है। इसी कड़ी में अमेरिका ने भारत के नेतृत्व वाले अंतरराष्ट्रीय सौर गठबंधन से खुद को अलग कर लिया है जिससे यह संकेत भी मिला है कि वह जलवायु और व्यापार दोनों मोर्चों पर बहुपक्षीय सहयोग से पीछे हट रहा है। अमेरिका की इस रणनीति से सिर्फ भारत या चीन ही नहीं बल्कि यूरोपीय संघ भी असहज है और वहां भी अमेरिकी धमकियों को लेकर बेचैनी बढ़ रही है। वैसे भारत की स्थिति इस पूरे घटनाक्रम में अलग दिखाई देती है। हालिया आंकड़ों के अनुसार अमेरिकी टैरिफ के बावजूद भारत का निर्यात तीन वर्षों की सबसे तेज दर से बढ़ा है। घरेलू मांग में मजबूती, उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाओं, विनिर्माण को बढ़ावा देने और नियमों को सरल बनाने से भारतीय उद्योग को नया आत्मविश्वास मिला है। साथ ही मोदी सरकार ने उपभोक्ताओं को राहत देकर और सुधारों को तेज कर यह संदेश दिया है कि बाहरी दबावों के आगे झुकने की बजाय भारत अपनी रणनीतिक स्वायत्तता बनाए रखेगा। हम आपको यह भी बता दें कि अमेरिका की इस आक्रामक नीति से वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर भी असर पड़ने की आशंका है। यूरोपीय संघ के लिए यह चेतावनी है कि अमेरिका अपने हितों के लिए किसी को भी निशाना बना सकता है। वहीं भारत ने साफ कर दिया है कि वह दबाव की कूटनीति से नहीं बल्कि आर्थिक ताकत से जवाब देगा। देखा जाये तो अमेरिका का 500 प्रतिशत टैरिफ का शोर दरअसल डर की राजनीति है। यह उस व्यवस्था की घबराहट को दिखाता है जो दुनिया के बदलते आर्थिक संतुलन को स्वीकार नहीं कर पा रही। भारत आज उस मोड़ पर खड़ा है जहां वह न तो किसी के सामने झुकने को तैयार है और न ही टकराव की बेकार लड़ाई में पड़ना चाहता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रणनीति साफ है यानि सीधी भिड़ंत नहीं बल्कि नीतिगत प्रहार किया जाये। देखा जाये तो मोदी सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में जो सुधार किए हैं वे आज इस संकट के समय ढाल बनकर सामने आ रहे हैं। विनिर्माण को बढ़ावा देने के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन योजनाएं हों या विदेशी निवेश के लिए नियमों का सरलीकरण हो, हर कदम का मकसद एक ही है भारत को आत्मनिर्भर बनाना। घरेलू उपभोक्ता बाजार की ताकत को सरकार ने रणनीतिक हथियार में बदला है। जब बाहरी बाजार दबाव बनाते हैं तब भीतर की मांग अर्थव्यवस्था को संभाल लेती है। यदि अमेरिका सचमुच भारत पर 500 प्रतिशत टैरिफ लगाता है तो मोदी के पास कई विकल्प हैं। पहला है निर्यात बाजारों का और विविधीकरण। हम आपको बता दें कि भारत पहले ही एशिया अफ्रीका और लैटिन अमेरिका में अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। दूसरा उपाय है घरेलू विनिर्माण को और आक्रामक समर्थन। तीसरा उपाय है व्यापार समझौतों को तेज करना ताकि अमेरिकी बाजार पर निर्भरता कम हो। चौथा उपाय है विश्व व्यापार संगठन जैसे मंचों पर कानूनी और कूटनीतिक लड़ाई। वैसे अमेरिका की यह नीति खुद उसके लिए भी जोखिम भरी है। यूरोपीय संघ और चीन के साथ एक साथ टकराव वैश्विक मंदी को न्योता दे सकता है। भारत इस पूरे खेल में संतुलन की भूमिका निभा रहा है। न तो आंख दिखा रहा है और न ही आंख झुका रहा है। यही रणनीतिक परिपक्वता है। देखा जाये तो डोनाल्ड ट्रंप की शैली टैरिफ धमकी और दबाव पर आधारित रही है लेकिन मोदी की शैली नीतियों और सुधारों पर टिकी है। दोनों नेताओं के बीच यही मूल फर्क है। भारत ने दिखा दिया है कि टैरिफ से डर कर फैसले नहीं बदले जाते बल्कि अर्थव्यवस्था को इतना मजबूत बनाया जाता है कि टैरिफ बेअसर हो जाएं। उधर, अमेरिका के सौर गठबंधन से हटने का फैसला भी यही बताता है कि वह सहयोग की नहीं बल्कि नियंत्रण की राजनीति चाहता है। इसके उलट भारत बहुपक्षीय सहयोग का पक्षधर रहा है। यही कारण है कि आज भारत को ग्लोबल साउथ की आवाज माना जा रहा है। देखा जाये तो आज भारत की अर्थव्यवस्था सिर्फ आंकड़ों की कहानी नहीं है बल्कि आत्मविश्वास की कहानी है। निर्यात का बढ़ना, घरेलू मांग का मजबूत होना और सुधारों की निरंतरता यह

सब बताता है कि भारत सही दिशा में है। अमेरिका चाहे जितनी भी ऊंची दीवार खड़ी करे भारतीय अर्थव्यवस्था उसके ऊपर से रास्ता निकाल लेगी। साथ ही यूरोपीय संघ और चीन के लिए भी यह समय आत्ममंथन का है। अमेरिकी दबाव के आगे झुकना समाधान नहीं है। भारत ने यह रास्ता दिखा दिया है कि आर्थिक मजबूती ही सबसे बड़ा जवाब है। इसलिए यह साफ है कि टैरिफ की राजनीति अल्पकालिक हथियार है जबकि सुधार और आत्मनिर्भरता दीर्घकालिक शक्ति हैं। मोदी की नीतियां इसी दीर्घकालिक सोच पर आधारित हैं। अगर अमेरिका 500 प्रतिशत टैरिफ का हथौड़ा उठाता है तो भारत के पास नीति सुधार, उपभोक्ता शक्ति और वैश्विक साझेदारी की पूरी ढाल मौजूद है। यही वजह है कि शोर चाहे जितना भी तेज हो, भारत की चाल शांत लेकिन घातक बनी हुई है। बहरहाल, अमेरिका चाहे यह कह दे कि व्यापार समझौता इसलिए अटका क्योंकि मोदी ने फोन नहीं किया, लेकिन सच्चाई इससे कहीं अलग है। मोदी ऐसे नेता नहीं हैं जो दबाव में आकर या किसी के इशारे पर फैसले लें। भारत की नीति फोन कॉल से नहीं, राष्ट्रीय हित से तय होती है। अगर शर्तें देश के हित में नहीं हैं, तो मोदी पीछे हटने में संकोच नहीं करते। यही कारण है कि भारत आज आत्मविश्वास के साथ दुनिया से बात करता है। अमेरिका को यह समझना होगा कि नया भारत सम्मान चाहता है, आदेश नहीं। मोदी की विदेश नीति साफ है, बराबरी पर बात होगी, दबाव में नहीं।

देश के लिए फायदेमंद है चाइल्ड केयर में निवेश करना

पवित्र

अश्मिता गुलेछा एकीकृत बाल विकास योजना (आईसीडीएस) की पालना योजना के तहत परिकल्पित राज्य प्रायोजित डे–केयर सेंटर में बड़ी संभावनाएं हैं लेकिन वे वर्तमान में महत्वाकांक्षा न होने और कम बजटीय आवंटन से विवश होने से ग्रस्त हैं। मजबूत परिवारों को मजबूत सहायक संरचनाओं की आवश्यकता होगी। समाज और राज्य की जिम्मेदारी है कि वे इन्हें सम्मान के साथ प्रदान करें। न्यूयार्क में मेयर का चुनाव जीतने वाले जोहरान ममदानी की जीत का एक बड़ा कारण शहर के सभी बच्चों के लिए राज्य प्रायोजित चाइल्ड केयर की गारंटी देना था। लोक कल्याण पर खर्च न करने की नीति रखने वाले, विशेष रूप से डोनाल्ड ट्रम्प के समय और अमेरिका में दूर–दक्षिणपंथ की नई और यहां तक कि अंधी दिशा में जा रहे देश में यह एक साहसिक वादा था। ममदानी की जीत इंगित करती है कि अमेरिकी मतदाता साहसिक विचारों के साथ काम करते हुए समग्र विकास को बढ़ावा देते हैं। भारत के संदर्भ में बच्चों के स्वास्थ्य और कल्याण के लिए एक बड़ी चुनौती को देखते हुए इस विषय पर गंभीर चर्चा हो सकती है कि कैसे और क्यों बच्चों पर केंद्रित जमीनी स्तर के विकास का एजेंडा विभिन्न दलों के राजनीतिक एजेंडे में वरीयता प्राप्त कर सकता है।बच्चों को हर जगह एक सुरक्षित, सहायक व पोषण करने वाले वातावरण की आवश्यकता होती है। आधुनिक दुनिया और इसकी अर्थव्यवस्था ने सामाजिक–आर्थिक स्तर पर बच्चों की देखभाल करने के लिए परिवारों की क्षमता को सीमित कर दिया है। छोटे परिवार के आकार, माता–पिता दोनों को घर से बाहर काम करने की आवश्यकता, लंबे समय तक काम के घंटे, लोगों को काम के लिए बाहर जाने की जरूरतय इन सभी मुद्दों ने अपने बच्चों की देखभाल करने की परिवारों की क्षमता को कम कर दिया है।हालांकि अमीर परिवार निजी चाइल्ड केयर का खर्च उठा सकते हैं और उनके बच्चे घर पर या संस्थानों में बढ़ते रहते हैं, परन्तु गरीब परिवारों में बच्चे समुचित चाइल्ड केयर के बिना बढ़ते हैं जो अक्सर उनकी वृद्धि, विकास और भावनात्मक क्षमता को अत्यंत सीमित कर देते हैं। आमतौर पर किसी भी देखभाल करने वाले की अनुपस्थिति में उनकी सुरक्षा और स्वास्थ्य से भी समझौता किया जाता है। यह देखा गया है कि ग्रामीण भारत, विशेष रूप से ग्रामीण राजस्थान के कई हिस्सों में पुरुष श्रम–रोजगार के लिए शहरों की ओर पलायन करते हैं जबकि महिलाएं और बच्चे अक्सर पीछे रह जाते हैं। महिलाएं जलाऊ लकड़ी इकट्ठा करने, पानी लाने, खेतों में काम करने और बुजुर्गों की देखभाल करने का काम करती हैं। उनके पास खुद की या अपने बच्चों की देखभाल करने के लिए समय नहीं होता। अधिकतर ऐसा होता है कि छोटे बच्चे खुद अपनी देखभाल करते हैं या उनका कोई बड़ा भाई–बहन उनकी देखभाल करता है जो अक्सर खुद ही एक छोटा बच्चा होता है। कभी–कभी दादा–दादी को बच्चों की देख–भाल करने का जिम्मा दिया जाता है पर ज्यादातर मामलों में वे स्वयं अपनी शारीरिक स्थितियों के कारण असमर्थ होते हैं। फलतरू कई बार ऐसी स्थितियां बनती हैं कि कभी बच्चे कुओं में गिर जाते हैं या जानवरों द्वारा रौंद दिए जाते हैं अथवा अकेलेपन का शिकार हो कर निष्क्रिय पड़े रहते हैं।राजस्थान की कई बस्तियों में जहां डे–केयर सेंटर चलाये हैं, उनमें देखा गया है कि ऐसे केंद्रों में रखे गए अधिकांश बच्चे अच्छी तरह से विकसित होते हैं और स्कूलों में उन बच्चों की तुलना में बहुत बेहतर प्रदर्शन करते हैं जिन्हें खुद के हाल पर छोड़ दिया जाता है। उनकी माताओं ने यह भी बताया कि जब वे काम के लिए जाती हैं तो अपने बच्चों की भलाई के बारे में उन्हें बहुत कम चिंता रहती है। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि वे खुद के आराम के लिए कुछ समय भी निकाल लेती हैं। शहरी अहमदाबाद में कई प्रवासी परिवार निर्माण स्थलों पर काम करते हैं जहां बच्चों को अक्सर इधर–उधर भटकने के लिए छोड़ दिया जाता है जिससे उन्हें चोट लगने, उनके उपेक्षित रह जाने और कुपोषण का बहुत खतरा होता है। इन स्थलों पर गैर–सरकारी संगठनों और नियोक्ताओं द्वारा प्रबंधित डे–केयर सेंटर इन परिवारों के बच्चों को सुरक्षा, शिक्षा और पोषण प्रदान करते हैं।इन स्थितियों में बाल देख–भाल सीमित परिस्थितियों में की जाती है जो सरकार की मदद के बिना संचालित होती है और वह एक अधिकार नहीं होता। यह देखते हुए कि विकास के लिए बच्चों के प्रारंभिक वर्ष मूलभूत हैं और परिणामों को आजीवन आकार देते हैं, न्यूनतम निवेश से होने वाले भारी लाभों को देखते हुए और अधिक क्षेत्रों तथा राज्यों में बाल देख–भाल मॉडल का विस्तार करने की आवश्यकता है। इस बारे में किए गये कई अध्ययन इसका समर्थन करते हैं। जर्नल ऑफ ग्लोबल हेल्थ की एक रिपोर्ट के अनुसार निम्न और मध्यम आय वाले देशों में 0–3 वर्ष की आयु के बच्चों के लिए केंद्र–आधारित चाइल्ड केयर पर अध्ययनों की एक प्रणालीगत समीक्षा बच्चों के विकास, पोषण और विकास मेट्रिक्स में सकारात्मक परिणामों से जुड़ी है। 2011 की एक लैंसेट समीक्षा में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि चूंकि बच्चों का विकास हो रहा होता है तो बढ़ते केंद्र–आधारित प्रारंभिक शिक्षण कार्यक्रम बच्चों के संज्ञानात्मक विकास, स्कूल की तैयारी में सुधार करते हैं और मजबूत शैक्षणिक प्रदर्शन का समर्थन करते हैं।हाशिए में रहने वाले बच्चों के लिए ये लाभ अधिक गहन होते हैं। वैश्विक साक्ष्य से पता चलता है कि संज्ञानात्मक कामकाज और सामाजिक–भावनात्मक कौशल का निर्माण बेहतर शिक्षा, रोजगार तथा वयस्क होने पर कमाई में बदल जाता है। यह गरीबी के अंतर–पीढ़ीगत चक्र को तोड़ने में मददगार होता है। जमैका से एक ऐतिहासिक अध्ययन (गर्टलर, पॉल, एट अल श्लेबर मार्केट रिटर्न्स टू एन अर्ली चाईल्डहुड स्टिमुलेशन इंटरवेन्शन इन जमैकाश, साईंस– 2014) ने पाया कि जिन बच्चों को पोषण और प्रारंभिक प्रोत्साहन प्राप्त हुआ, उन्होंने 20 साल बाद उन लोगों की तुलना में 25 प्रतिशत अधिक आय अर्जित की जिन्हें ऐसे अवसर और सुविधाएं नहीं मिली थीं। इसके अलावा, यह दिखाने के लिए अकाट्य सबूत हैं कि कम और मध्यम आय वाले देशों में भी बड़ी संख्या में माताओं को काम करने में सक्षम बनाने में चाइल्ड केयर की उपलब्धता किस प्रकार महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। जैसे–जैसे अधिक संख्या में माताएं कार्यबल में शामिल होती हैं, समग्र रोजगार दर बढ़ती है। इकानॉमिस्ट इम्पैक्ट के चाइल्ड केयर डिविडेंड इनिशिएटिव (श्ब्रिजिंग द एक्सेस गैपश क्वांटिफाइंग द इकोनॉमिक रिटर्न ऑफ पब्लिक इन्वेस्टमेंट इन चाइल्ड केयरश्) द्वारा किए शोध का अनुमान है कि चाइल्ड केयर सेवाओं तक पहुंच गुणक प्रभाव के माध्यम से हर साल राष्ट्रीय सकल घरेलू उत्पाद में 1 फीसदी तक की वृद्धि हो सकती है। यह महत्वपूर्ण है कि निम्न और मध्यम आय वाले देशों में कार्यबल में माताओं की कम भागीदारी की बड़ी कीमत चुकानी पड़ती है। महिलाओं के लिए यह कीमत व्यक्तिगत और वित्तीय दोनों हैं। यह न केवल कैरियर के विकास को धीमा और कमाई को कम करता है बल्कि उनकी स्वतंत्रता तथा काम देने वाली एजेंसी की क्षमता को भी कम करता है।

महिलाएं ही खेती को बचा सकती हैं

बाबा

महिलाओं ने जैविक खेती को आगे बढ़ाया है। तेलंगाना में डेक्कन डेवलपमेंट सोसायटी (डीडीएस) की महिलाओं ने न केवल पौष्टिक अनाज की खेती की है, बीज बैंक भी बनाए हैं, बल्कि गांव देहातों में सस्ती दुकान खोलकर इसे सबके लिए उपलब्ध कराया है। कर्नाटक में वनश्री नामक समूह ने बीजों के आदान–प्रदान का सिलसिला चलाया है। नगालैंड में नार्थ ईस्ट नेटवर्क (एनईएन) नामक संस्था ने पौष्टिक अनाजों की खेती को फिर से खड़ा किया है।हाल ही खेतों में धान कटाई हुई है। किसानों के लिए यह बहुत खुशी का मौका है। वे फसलों के भंडारण व बिक्री में लगे हुए हैं। इस समय मुझे बचपन की याद आ रही है, जब मेरी मां खेतों में काम करती थी। वह अकेली नहीं थी, जो खेत में काम करने जाती थी, बल्कि हमारे गांव की अधिकांश महिलाओं का समय खेत में बीतता था। पिताजी का तो लगभग एक महीने अस्थायी रूप से खेत में ही डेरा होता था, जब तक कटाई और बालियों में से अनाज निकालने का काम पूरा नहीं हो जाता था।मैं इस कॉलम में परंपरागत खेती को याद करना चाहूंगा, जिसमें महिलाओं की बड़ी भूमिका होती थी। वे खेत में बीज बोने से लेकर उनके संरक्षण–संवर्धन और भंडारण तक का काम बड़े जतन से करती रही हैं। पशुपालन से लेकर विविध तरह की हरी सब्जियां लगाने और फलदार पेड़ों को रोपने से लेकर उनके जतन का काम करती हैं। जंगलों से फल–फूल, पत्ती के गुणों की पहचान करना व संग्रह करने में उनकी प्रमुख भूमिका रही है। वे जैव विविधता की जानकार और संरक्षक हैं। यानी वे प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण से लेकर खाद्य सुरक्षा का महत्वपूर्ण काम करती रही हैं। लेकिन आजकल आधुनिक खेती में उनकी भूमिका सिमट गई है।अगर हम देखें तो जब से खेती में मशीनीकरण हुआ है तब से महिलाओं की भूमिका सिमटती जा रही है। जबकि पूर्व में खेती में सिर्फ हल–बक्खर चलाने को छोड़कर महिलाएं सभी काम करती थीं। बल्कि छत्तीसगढ़ में तो कुछ जगह हल भी चलाती हैं। पारंपरिक खेती में बीजों का चयन, बीजोपचार, बुआई, निंदाई–गुड़ाई और कटाई–बंधाई तक की पूरी प्रक्रिया में महिलाएं जुड़ी थीं। खेतों में फसल की रखवाली, मवेशियों की परवरिश और गोबर खाद बनाने जैसे खेती से जुड़े काम उनके जिम्मे थे। हालांकि पहाड़ और जंगल पट्टी में अब भी महिलाएं खेती के काम में संलग्न हैं।कड़कड़ाती ठंड हो या मूसलाधार बारिश या फिर चिलचिलाती तेज धूप महिलाएं सभी परिस्थितियों में खेती का काम करती रही हैं। खेती के विकास में उनका योगदान महत्वपूर्ण है। इसके अलावा, भोजन के लिए ईंधन जुटाना, खाना बनाना, ढोरों के लिए भी खेतों से घास लाना और फिर खेतों में काम करने जाना और फिर खेत से आकर घर का काम करना आदि उनकी जिम्मेदारी में शामिल है।निंदाई–गुड़ाई के दौरान विजातीय पौधे और खरपतवार को फसल से अलग करना भी उनके काम का हिस्सा हुआ करता था। जब पौधों में फूल आ जाते हैं तब वे ऐसे विजातीय पौधों को आसानी से पहचानकर अलग कर देती थीं। निंदाई–गुड़ाई तीन–चार बार करनी पड़ती थी। खरपतवारनाशक के बढ़ते इस्तेमाल से उनकी भूमिका कम हो गई। बीजों के चयन में उनकी खास भूमिका होती थी। पहले खेतों में ही बीजों का चयन हो जाता था, इसमें देखा जाता था कि सबसे अच्छे स्वस्थ पौधे किस खेत में हैं। किस खेत के हिस्से में अच्छी बालियां हैं। वहां किसी तरह के कमजोर और रोगी पौधे नहीं होने चाहिए। अगर ऐसे पौधे फसलों के बीच होते थे तो उन्हें हटा दिया जाता था। फिर अच्छी बालियों को छांटकर उन्हें साफ कर और सुखा लिया जाता था। इसके बाद बीजों का भंडारण किया जाता था। अगली फसल के मौके पर इन्हीं बीजों को बोया जाता था। यह किसानों की जांची–परखी विधि है। इन सब कामों में महिलाएं ही मदद करती थीं। बीज भंडारण पारंपरिक खेती का एक अभिन्न हिस्सा है। अलग–अलग परिस्थिति और संस्कृति के अनुरूप किसानों ने बीजों की सुरक्षा के कई तरीके और विधियां विकसित की हैं। मक्का के बीज को घुन और खराब होने से बचाने के लिए चूल्हे के ऊपर छींके पर रखते हैं और सतपुड़ा अंचल में खुले में मक्के के भुट्टे को खंबे को छिलका समेत उल्टे लटकाकर रखते हैं। छिलका बरसाती का काम करता है और बारिश का पानी भी उन्हें खराब नहीं कर पाता।मिट्टी की बड़ी कोठियों में, लकड़ी के पटाव पर, मिट्टी की हंडी में व ढोलकी में बीज रखे जाते थे। इसके अलावा, तूमा (लौकी की एक प्रजाति) बांस के खोल में बीजों का भंडारण किया जाता था। इसी प्रकार बीजों को धूप में सुखा कर, कोठी या भंडारण के स्थान पर धुंआ किया जाता था, जिससे पतंगे या घुन नहीं लगता। कीड़ों से बचाव के लिए लकड़ी या गोबर से जली राख या रेत भी बीजों में मिलाते हैं। गांव में अब भी मिट्टी की कोठियां मिल सकती हैं, हालांकि इनमें कमी आई हैं। बीज के अभाव में बीजों का आदान–प्रदान हुआ करता था। कई बार महिलाएं अपने मायके से ससुराल बीज ले आती थीं। खासतौर से सब्जियों के बीज की अदला–बदली रिश्तेदार और परिवारजनों में होना आम बात थी। धान रोपाई का काम तो महिलाएं

करती हैं। जब वे रंग–बिरंगे कपड़ों में गीत गाते हुए धान रोपाई करती हैं तो देखते ही बनता है। इनमें कई स्कूली विद्यार्थी भी होते हैं। वे स्कूल में पढ़ते भी हैं और खेतों में भी जमकर काम करते हैं। पहले दीपावली के समय लम्बी छुट्टियां होती थीं, जिन्हें फसली छुट्टियां भी कहा जाता था। यानी इन छुट्टियों में बच्चे खेतों के काम में मदद करते थे, और फसलों व अनाजों के बारे में सीखते थे।पहले हर घर में बाड़ी हुआ करती थी, जिसे जैव विविधता का केन्द्र हुआ करती थी। इसमें कई तरह की हरी सब्जियां, मौसमी फल और मोटे अनाज लगाए जाते थे। जैसे भटा, टमाटर, हरी मिर्च, अदरक, भिंडी, सेमी (बल्लर), मक्का, ज्वार आदि होते थे। मुनगा, नींबू, बेर, अमरूद आदि बच्चों के पोषण के स्रोत होते थे। इसमें न अलग से पानी देने की जरूरत थी और न खाद की। जो पानी रोजाना इस्तेमाल होता था उससे ही बाड़ी की सब्जियों की सिंचाई हो जाती थी। लेकिन इनमें कई कारणों से कमी आ रही है। ये सभी काम महिलाएं ही करती थीं। छत्तीसगढ़ जैसे राज्यों में अब भी बाड़ी में सब्जियां लगाई जाती हैं। छत्तीसगढ़ में सब्जी बाजार में महिलाएं ही सब्जी बेचती हैं। फुटपाथ पर ताजी हरी सब्जियों को लोगों को खरीदते हुए देखा जा सकता है। इन हाट–बाजारों में मशरूम, हरी सब्जियां, फल की दुकानें लगाती हैं। कई गांव, कस्बों व रायपुर शहर में भी सब्जी बाजारों में महिलाएं ही सब्जियां बेचते दिखती हैं। जंगल क्षेत्र में रहने वाले लोगों की आजीविका जंगल पर ही निर्भर है।

कॉपियों के गलत मूल्यांकन पर दंड का भी हो प्रावधान : आनंदीबेन पटेल

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कॉपियों की मूल्यांकन प्रक्रिया को और बेहतर करने के क्रम में कहा है कि इनकी जांच काफी सावधानी से की जानी चाहिए। गलत मूल्यांकन मिलने पर आर्थिक दंड का प्रावधान भी होना चाहिए। सुझाव दिया कि पीजी छात्रों से भी सीमित संख्या में स्नातक कक्षाओं की कॉपियों का मूल्यांकन कराया जा सकता है। राजभवन में राज्यपाल ने शुक्रवार को डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय (एकेटीयू) द्वारा परीक्षा के लिए इस्तेमाल की जा रही डिजिटल व्यवस्था का प्रस्तुतिकरण देखा। कहा कि कॉपियों के मूल्यांकन के दौरान जहां गलती हो, वहीं स्पष्ट रूप से अंकित किया जाना चाहिए, ताकि पुनः जांच कराने वाले विद्यार्थी अपनी कमियों को समझ सकें। उन्होंने अभिभावकों को भी बच्चों की शैक्षणिक स्थिति के प्रति संवेदनशील बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बच्चों की रुचि के अनुसार विषयों का चयन एवं आवश्यक कौशल विकसित किया जाना चाहिए, क्योंकि रुचि के क्षेत्र में बच्चे बेहतर प्रदर्शन कर पाते हैं। नकल में संलिप्त पाए जाने वाले विद्यार्थियों के अभिभावकों को बुलाकर उनसे संवाद किया जाना चाहिए। इस अवसर पर विशेष कार्याधिकारी राज्यपाल डॉ. सुधीर महादेव बोबडे, विशेष कार्याधिकारी शिक्षा पंकज एलजानी, विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. जेपी पांडेय व परीक्षा नियंत्रक प्रो. दीपक नगरिया आदि उपस्थित थे। राज्यपाल ने कहा कि कॉपियों का आकलन करें कि विद्यार्थी औसतन कितने पेज लिखते हैं। उसी से कॉपियों की पेज संख्या निर्धारित करें। इससे अनावश्यक पेज की बर्बादी रुकेगी और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त पेज उपलब्ध कराएं। उन्होंने निर्देश दिया कि विद्यार्थियों के हित में मूल्यांकन प्रणाली को और अधिक प्रभावी, निष्पक्ष एवं तकनीक आधारित बनाया जाए। प्रस्तुतिकरण में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बताया कि परीक्षा प्रक्रिया को पारदर्शी व निष्पक्ष बनाने के लिए परीक्षा कक्षों में सीसीटीवी कैमरों के माध्यम से विश्वविद्यालय के कमांड सेंटर से लाइव मॉनिटरिंग की जाती है। कॉपियों पर बारकोडिंग, बायोमीट्रिक आधारित उपस्थिति आदि तकनीकी व्यवस्थाएं लागू हैं। परीक्षा केंद्रों से प्राप्त कॉपियों को विश्वविद्यालय में स्कैन किया जाता है। इससे उनमें किसी भी प्रकार के बदलाव की संभावना नहीं रहती है।

भाजपा पार्षद के घर के बाहर मिला गोवंश का सिर, हिंदू संगठन पहुंचा

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ में भाजपा पार्षद के घर के बाहर गोवंश का सिर मिला है। तालकटोरा के राजाजीपुरम सेक्टर–13 निवासी शीतला देवी वार्ड के भाजपा पार्षद अनूप कमल सक्सेना के घर के बाहर शनिवार सुबह गोवंश का कटा सिर मिलने से इलाके में हड़कंप मच गया। पार्षद की

पत्नी उसे देख कर घबरा गईं। आसपास के लोगों को सूचना दी। घटना की जानकारी मिलते ही हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता मौके पर पहुंच गए। नगर निगम के कर्मचारी उसे मौके से उठा ले गए और पुलिस से शिकायत की। इंस्पेक्टर कुलदीप दुबे ने बताया कि पड़ोस में ही कूड़ा घर है। आशंका है कि कई दिन पहले मरे गोवंश के सिर को कुत्ते खींच लाए होंगे, क्योंकि पिछले वर्ष भी एक गोवंश का कंकाल कूड़ा घर के पास मिला था। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है। वहीं, पार्षद अनूप कमल सक्सेना ने बताया कि वह वर्तमान में नगर निगम की टीम के साथ अहमदाबाद (गुजरात) में विकास कार्यों का निरीक्षण करने गए हुए हैं।

संक्षिप्त खबरें

केजीएमयू : आखिरी क्यों बदली प्रेसवार्ता की जगह

लखनऊ, (संवाददाता)। राज्य महिला आयोग की उपाध्यक्ष अपर्णा यादव ने केजीएमयू के धर्मांतरण मामले में प्रेसवार्ता करने के लिए बृहस्पतिवार को ही सूचना जारी की थी। सूचना के अनुसार प्रेसवार्ता राज्य महिला आयोग के कार्यालय में होनी थी। इसका समय दोपहर 12 बजे था। इसके बाद प्रेसवार्ता का स्थान बदलकर केजीएमयू में कर दिया गया। सवाल उठता है कि आखिर प्रेसवार्ता के स्थान में यह बदलाव क्यों किया गया। इस मामले में अपर्णा यादव का कहना है कि केजीएमयू की विशाखा कमेटी की रिपोर्ट पर चर्चा करने के बाद प्रेसवार्ता करने का फैसला किया गया था, इसी वजह से स्थान बदलकर केजीएमयू किया गया। हालांकि, प्रेसवार्ता ऑफिस से बाहर करनी थी, लेकिन मुलाकात नहीं होने की वजह से प्रेसवार्ता भी कार्यालय के अंदर की गई।

1.65 लाख रुपये की ठगी का केस

लखनऊ, (संवाददाता)। चिनहट थाने में प्रयागराज के हैंसिग नेवादा निवासी जाबिर हुसैन ने ट्रैवेल एजेंसी संचालक के खिलाफ 1.65 लाख रुपये की ठगी की एफआईआर दर्ज कराई है। जाबिर हुसैन ने बताया कि कुछ समय पहले चिनहट में उनकी मुलाकात आईसीएम ट्रैवल सर्विसेज के संचालक नौशाद खान से हुई थी। उसने विदेश भेजने का झांसा दिया। बातों में फंसाकर आरोपी ने उनसे 1.65 लाख रुपये ले लिए, पर विदेश नहीं भेजा। इंस्पेक्टर दिनेश चंद्र मिश्र के मुताबिक तफ्तीश की जा रही है।

सेवानिवृत्त नायब सूबेदार ने कुत्ते को मारी गोली, हालत गंभीर

लखनऊ, (संवाददाता)। पारा में बृहस्पतिवार दोपहर सेवानिवृत्त नायब सूबेदार ने लाइसेंसी डबल बैरल बंदूक से कुत्ते को गोली मार दी। उसकी हालत गंभीर है। मामले में आसरा द हेल्पिंग हैंड ट्रस्ट की तहरीर पर पारा पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर गिरफ्तार कर लिया है। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह के मुताबिक आरोपी सेवानिवृत्त नायब सूबेदार जंगली अंसारी वर्तमान में सिक्योरिटी कंपनी में गार्ड है। उसने बृहस्पतिवार दोपहर दो बजे आगरा एक्सप्रेस–वे जीरो पॉइंट के पास कुत्ते को गोली मारी, जो उसकी गर्दन पर लगी। अस्पताल में कुत्ते की हालत गंभीर बनी हुई है। आरोपी की बंदूक कब्जे में ली गई है। लाइसेंस निरस्तीकरण के लिए डीएम को रिपोर्ट भेजी जाएगी।

दुकानदार के खाते से 1.09 लाख रुपये निकाले

लखनऊ, (संवाददाता)। गोसाईंगंज के कासिमपुर बिरुहा निवासी दुकानदार शिव शंकर के खाते से जालसाज ने 1.09 लाख रुपये निकाल लिए। इंस्पेक्टर गोसाईंगंज दिलेश कुमार सिंह के मुताबिक शिव शंकर का अमेठी स्थित यूनियन बैंक में खाता है। पीड़ित के अनुसार 22 नवंबर को वह पैसे निकालने बैंक गए, तब पता चला कि राहुल नाम के व्यक्ति ने उनके खाते से आईएमपीएस से रुपये निकाले हैं। इसका कोई मेसेज भी पीड़ित के पास नहीं आया। इंस्पेक्टर ने बताया कि धोखाधड़ी की रिपोर्ट दर्ज कराई गई है।

हिंदी के पाठ्यक्रम में शामिल हो गुरु तेग बहादुर की वाणी

लखनऊ, (संवाददाता)। गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी वर्ष और विश्व हिंदी दिवस के उपलक्ष्य में इंदिराभवन स्थित उत्तर प्रदेश पंजाबी अकादमी में 'राष्ट्रीय चेतना हिंद की चादर गुरु तेग बहादुर' विषयक संगोष्ठी का आयोजन किया गया। वरिष्ठ पंजाबी विद्वान नरेंद्र सिंह मोंगा ने कहा कि गुरु तेग बहादुर साहिब ने अपनी संपूर्ण वाणी का हिंदी में ही उच्चारण किया। इसे हिंदी पाठ्यक्रम में शामिल करने की आवश्यकता है। नरेंद्र मोंगा ने कहा कि गुरु तेग बहादुर की वाणी में सार्वभौमिक नैतिक मूल्य, करुणा, निडरता, धार्मिक सहिष्णुता और बलिदान के संदेश हैं। इसलिए यह धार्मिक ही नहीं सांस्कृतिक और नैतिक शिक्षा के दृष्टिकोण से भी महत्वपूर्ण है। उनका समर्थन करते हुए विदुषी डॉ. रश्मि शील ने कहा कि गुरु साहिब की वाणी में पद और दोहे शामिल हैं। उन्हें हिंदी पाठ्यक्रम में शामिल करने से छात्र हिंदी और ब्रज भाषा के समृद्ध भक्ति साहित्य से परिचित होंगे, क्योंकि उनकी सभी रचनाएं हिंदी की उप बोली ब्रजभाषा में लिखी गई हैं। नवयुग कन्या महाविद्यालय में दर्शनशास्त्र विभाग की अध्यक्ष मेजर डॉ. मनमीत कौर सोढ़ी ने कहा कि गुरु तेग बहादुर का बलिदान केवल सिख या हिंदू समाज के लिए नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए था। कश्मीरी पंडितों की रक्षा के लिए दिया गया उनका सर्वोच्च त्याग भारतीय संस्कृति की उदार और साहसी परंपरा को दर्शाता है। वह भारत के इतिहास में बेहद महत्वपूर्ण व्यक्ति हैं, जिन्हें हिंद दी चादर यानी भारत की ढाल कहा जाता है। लखनऊ विवि के हिंदी विभाग की प्रोफेसर डॉ. अलका पांडेय, मीना सिंह, महेंद्र प्रताप वर्मा, रवि यादव और अंजू सिंह आदि ने भी अपने विचार व्यक्त किए।

भारतीय संस्कृति के ध्वज वाहक हैं प्रवासी भारतीय

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रवासी भारतीय दिवस और विश्व हिंदी दिवस के मौके पर लविवि के हिंदी व आधुनिक भारतीय भाषा विभाग, वाराणसी के ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल और भारत सेवा ट्रस्ट के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी 'हिंदी का प्रवासीरू प्रवासी की हिंदी' का आयोजन किया गया। अध्यक्षता कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने की। मुख्य अतिथि अखिल भारतीय इतिहास संकलन योजना के राष्ट्रीय सचिव डॉ. बालमुकुंद पांडेय ने कहा कि गिरमिटिया समाज का इतिहास कर्म, कौशल और संघर्ष का इतिहास है। गिरमिटिया समुदाय को मजदूर नहीं, बल्कि कर्मशील और कुशल कृषक बताते हुए कहा कि प्रवासी भारतीय विश्वबंधुत्व के सजीव मिसाल हैं। हिंदी विभागाध्यक्ष प्रो. पवन अग्रवाल ने प्रवास के ऐतिहासिक संदर्भों को रेखांकित किया। प्रो. सूर्य प्रसाद दीक्षित ने कहा कि प्रवासी भारतीय भारतीय संस्कृति के ध्वज वाहक हैं। प्रवासी लेखन ने हिंदी साहित्य को नए विमर्श दिए हैं और प्रवासी व अप्रवासी के बीच संवाद बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने काशीनाथ सिंह, उषा प्रियंवदा और प्रभा खेतान सहित कई रचनाकारों के साहित्यिक योगदान का उल्लेख किया। कला संकाय के अधिष्ठाता प्रो. अरविंद मोहन ने प्रवासी अध्ययन केंद्र की स्थापना का प्रस्ताव रखा।ग्लोबल गिरमिटिया काउंसिल के अध्यक्ष अरविंद पांडेय ने प्रवासी साहित्य पर संगठित शोध की आवश्यकता जताई। अमेरिका से लविवि आईं ग्लोबल हिंदी ज्योति की अध्यक्ष डॉ. अनीता कपूर और नीदरलैंड से जुड़े शारदानंद हरिनंदन ने भी गिरमिटिया विमर्श पर अपनी बात रखी।

संक्षिप्त खबरें

महिला का अर्द्धनग्न शव मिला, दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका

लखनऊ, (संवाददाता)। बंथरा के अमावा जंगल में शुक्रवार सुबह पुलिया के पास सड़क किनारे महिला का अर्द्धनग्न शव मिला। उसके पास झोला, शराब के पाउच और टूटी चूड़ियां पड़ी थीं। शरीर पर कुछ जगह चोट के निशान थे। लोगों ने दुष्कर्म के बाद हत्या की आशंका जताई है। महिला की शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस का कहना है कि वाहन की चपेट में आने से मौत हुई है। इंस्पेक्टर बंथरा राणा राजेश सिंह के मुताबिक महिला की उम्र 50 वर्ष के आसपास है। शरीर पर लाल रंग की जैकेट और पेटीकोट था। छानबीन के लिए फॉरेंसिक टीम को बुलाया गया। स्थानीय लोगों का कहना है कि महिला के माथे व सिर पर चोट के निशान हैं। बाएं पैर का पंजा गायब था। पुलिस का कहना है कि जंगली जानवरों ने पंजा खा लिया है। इंस्पेक्टर का कहना है कि लग रहा है कि महिला मानसिक रूप से विक्षिप्त है और किसी वाहन की टक्कर से उसकी मौत हुई है। फिलहाल शव पोस्टमार्टम हाउस में रखा गया है। पहचान न होने पर 72 घंटे के बाद पोस्टमार्टम कराया जाएगा। इसकी रिपोर्ट आने पर मौत की सही वजह पता चल सकेगी और उस आधार पर कार्रवाई होगी। शव की पहचान के लिए फोटो सोशल मीडिया पर प्रसारित क किया गया है। शहर के सभी थानों पर भी शव की फोटो भेजी गई है।

यूपी दिवस में राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर लगेंगे ओडीओपी समेत 100 स्टॉल

लखनऊ, (संवाददाता)। यूपी दिवस का मुख्य आयोजन इस बार राजधानी स्थित राष्ट्र प्रेरणा स्थल में 24 से 26 जनवरी तक होगा। इस अवसर पर वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट (ओडीओपी) सहित अन्य विभागों के 100 से अधिक स्टॉल लगेंगे। इसके लिए एमएसएमई सहित अन्य विभागों से समन्वय करके समय से तैयारी पूरी की जाए। यह निर्देश पर्यटन व संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने शुक्रवार को राष्ट्र प्रेरणा स्थल पर यूपी दिवस की तैयारियों के निरीक्षण के दौरान दिए। उन्होंने आयोजन से जुड़ी व्यवस्थाओं, स्टॉल, कार्यक्रम संरचना और प्रस्तुतियों की समीक्षा की। कहा कि स्टॉल, दुकानों और प्रदर्शनी के लिए पर्याप्त जगह की व्यवस्था की जाए। साथ ही आगंतुकों के प्रवेश और निकास का विशेष ध्यान रखा जाए। मंत्री ने बताया कि इस प्रतिष्ठित आयोजन में गृह मंत्री अमित शाह को बतौर मुख्य अतिथि शामिल होने के लिए आमंत्रित किया गया है। उन्होंने आयोजन में जन सुविधाओं को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्देश दिया कि सुरक्षा, पार्किंग, यातायात, साफ–सफाई, पेयजल, शौचालय और मेडिकल सुविधाओं में किसी भी स्तर पर कोई कमी न होने पाए। मंत्री ने कहा कि यूपी दिवस के सफल आयोजन के लिए लखनऊ विकास प्राधिकरण (एलडीए) और संस्कृति विभाग समन्वय स्थापित करके तैयारियों को पूरा करें। यूपी दिवस का आयोजन इस साल साधारण नहीं है बल्कि प्रदेश की वैश्विक पहचान और सांस्कृतिक गौरव के उत्सव के रूप में मनाने की तैयारी है। सरकार का प्रयास है कि यूपी दिवस की गूंज देश की सीमाओं से निकलकर विदेशों तक पहुंचे। इसी उद्देश्य से उन देशों और राज्यों में, जहां उत्तर प्रदेश के लोग बड़ी संख्या में निवास करते हैं, वहां भी आयोजन किया जा रहा है। निरीक्षण में अपर निदेशक संस्कृति सृष्टि धवन, सहायक निदेशक संस्कृति तुहिन द्विवेदी व सहायक निदेशक राज्य संग्रहालय डॉ. विनय कुमार सिंह आदि उपस्थित थे।

आरोपी रेजिडेंट डॉक्टर का दाखिल होगा रद्द

लखनऊ, (संवाददाता)। शादी का झांसा देकर यौन शोषण, गर्भपात कराने और धर्मांतरण का दबाव बनाने के आरोपी जूनियर रेजिडेंट डॉ. रमीज मलिक का केजीएमयू से दाखिला रद्द किया जाएगा। विशाखा कमेटी की जांच रिपोर्ट के आधार पर केजीएमयू प्रशासन ने चिकित्सा शिक्षा महानिदेशक को दाखिला रद्द करने की संस्तुति भेजी है। शुक्रवार को कुलपति डॉ. सोनिया नित्यानंद ने प्रेसवार्ता कर बताया कि डॉ. रमीज ने नीट के माध्यम से करीब सवा साल पहले पैथोलॉजी विभाग में एमडी कोर्स में दाखिला लिया था। उसी विभाग की एक महिला रेजिडेंट डॉक्टर ने 22 दिसंबर को विशाखा कमेटी में गंभीर शिकायत दर्ज कराई। सात सदस्यीय कमेटी ने पीड़िता व आरोपी के बयान दर्ज कर जांच शुरू की। पीड़िता के अनुसार, 6 जुलाई 2025 को उसकी डॉ. रमीज से मुलाकात हुई। शादी का झांसा देकर आरोपी ने यौन शोषण किया और गर्भपात कराया। सितंबर में पता चला कि आरोपी पहले से एक हिंदू डॉक्टर से शादी कर चुका है। संबंध तोड़ने पर 14 दिसंबर को आरोपी ने अश्लील फोटो, वीडियो और चौट वायरल करने की धमकी दी, जिससे पीड़िता मानसिक रूप से टूट गई। लगातार प्रताड़ना से तंग आकर पीड़िता ने 17 दिसंबर को नींद की गोलियां खाकर आत्महत्या का प्रयास किया। शिकायत के बाद आरोपी को निलंबित कर परिसर में प्रवेश पर रोक लगा दी गई। 15 दिन चली विस्तृत जांच के बाद विशाखा कमेटी ने आरोपी का दाखिला रद्द करने की सिफारिश की। कुलपति ने बताया कि केजीएमयू के इतिहास में यह पहला मामला है, जब किसी पीजी रेजिडेंट का दाखिला रद्द किया गया है।

दर्शन करने आए अधिवक्ता व पिता पर हमला, लूट का आरोप

लखनऊ, (संवाददाता)। अलीगंज स्थित पुराने हनुमान मंदिर में छह जनवरी को दर्शन करने पहुंचे अधिवक्ता व उनके पिता पर अज्ञात लोगों ने हमला कर दिया। आरोपियों पर 11 हजार रुपये व अधिवक्ता की कार की चाबी लूटने का आरोप है। पीड़ित की शिकायत पर अलीगंज पुलिस ने 12 के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। खुर्रमनगर निवासी अधिवक्ता उत्कर्ष गुप्ता के मुताबिक छह की रात नौ बजे वह 70 वर्षीय पिता उमाशंकर, पत्नी और एक वर्षीय बेटी के साथ पुराना हनुमान मंदिर दर्शन करने पहुंचे थे। मंदिर से निकले तो पिता की चप्पल चोरी होने का पता चला। आरोप है कि जब उन्होंने श्रद्धालुओं की चप्पलों की देखरेख कर रहे बच्चे से पूछताछ की तो उसके साथ मौजूद 11 लोगों ने हंगामा शुरू कर दिया। उत्कर्ष का कहना है कि गाली–गलौज के विरोध पर आरोपियों ने उनके साथ पिता पर हमला कर दिया। जब वे भागने लगे तो कार की चाबी और नकदी लूट ली। हंगामा बढ़ने पर आरोपी धमकाते हुए भाग निकले। पीड़ित की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कार की चाबी बरामद कराई। फिर उत्कर्ष ने थाने पहुंचकर शिकायत की। इंस्पेक्टर अशोक सोनकर ने बताया कि सीसीटीवी कैमरों को देखने पर लूट की पुष्टि नहीं हुई है। छीनाझपटी में चाबी गिर गई थी, जो बाद में मिल गई। तफ्तीश जारी है।

सुशांत गोल्फ सिटी में युवक का जला हुआ शव मिलने से हड़कंप

लखनऊ, (संवाददाता)। राजधानी के थाना सुशांत गोल्फ सिटी क्षेत्र अंतर्गत अलखनंदा चौकी इलाके में आज 9 जनवरी 2026 को एक सनसनीखेज घटना सामने आई, जब भागीरथी एनक्लेव की चारदीवारी के बाहर सड़क किनारे एक अज्ञात युवक का शव मिलने की सूचना पुलिस को प्राप्त हुई। सूचना मिलते ही थाना सुशांत गोल्फ सिटी की पुलिस टीम तत्काल मौके पर पहुंची और घटनास्थल की घेराबंदी कर जांच शुरू की गई।पुलिस जांच में सामने आया कि भागीरथी एनक्लेव अंसल की चारदीवारी के बगल स्थित झाड़ियों के पास सड़क किनारे एक अज्ञात युवक का शव पड़ा हुआ था। मृतक की उम्र लगभग 20 से 25 वर्ष के बीच आंकी जा रही है। शव की स्थिति को देखते हुए प्रथमदृष्टया यह आशंका जताई जा रही है कि युवक की हत्या किसी अन्य स्थान पर की गई और उसके बाद शव को चादर में बांधकर यहां लाया गया। पहचान छिपाने के उद्देश्य से शव को झाड़ियों में आग लगाकर जलाने का प्रयास भी किया गया, हालांकि वह पूरी तरह सफल नहीं हो सका।घटना की गंभीरता को देखते हुए मौके पर फील्ड यूनिट और फोरेंसिक टीम को बुलाया गया, जिन्होंने घटनास्थल का बारीकी से निरीक्षण कर महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए। आसपास के क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है तथा अन्य तकनीकी और स्थानीय माध्यमों से संदिग्ध अभियुक्तों की तलाश तेज कर दी गई है।मामले के शीघ्र अनावरण के लिए पुलिस द्वारा कुल चार विशेष टीमों का गठन किया गया है, जिन्हें अलग–अलग दिशाओं में जांच की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि मृतक कौन है, वह कहां का रहने वाला था और किन परिस्थितियों में उसकी हत्या की गई।

प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में दो अहम बैठकों का आयोजन

लखनऊ, (संवाददाता)। प्रदेश कांग्रेस कार्यालय में आज दो महत्वपूर्ण बैठकों का आयोजन किया गया। पहली बैठक पॉलिटिकल अफेयर्स कमेटी के सदस्यों की हुई, जबकि दूसरी बैठक मनरेगा कोऑर्डिनेटर, एसआईआर कोऑर्डिनेशन कमेटी के सदस्यों, जिला एवं शहर कांग्रेस कमेटियों के अध्यक्षों तथा फ्रंटल, विभाग और प्रकोष्ठों के चेयरमैनों के साथ संपन्न हुई। ये दोनों बैठकें अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के महासचिव एवं उत्तर प्रदेश प्रभारी अविनाश पाण्डेय की गरिमामयी उपस्थिति में तथा प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय की अध्यक्षता में आयोजित की गईं। बैठक के आरंभ से पूर्व अविनाश पाण्डेय और अजय राय ने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के चित्र पर माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया।बैठक में उत्तर प्रदेश कांग्रेस विधानमंडल दल की नेता आराधना मिश्रा मोना, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू और बृजलाल खाबरी के साथ–साथ राष्ट्रीय सचिव एवं सहप्रभारी धीरज गुर्जर, राजेश तिवारी, तौकीर आलम, प्रदीप नरवाल, सुप्रिया श्रीनेत, संयुक्त सचिव अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी मनोज त्यागी, राज्यसभा में उपनेता प्रतिपक्ष प्रमोद तिवारी, केएल शर्मा, उज्जवल रमण सिंह, इमरान मसूद, तनुज पुनिया, पूर्व सांसद पीएल पुनिया, कुँवर दानिश अली, एपी गौतम, रवि वर्मा, पूर्व मंत्री नसीमुद्दीन सिद्दीकी और नकुल दुबे सहित कई वरिष्ठ नेता मौजूद रहे। इसके अलावा पूर्व विधायक भगवती प्रसाद चौधरी, विवेक बंसल, संजय कपूर, पूर्व विधान परिषद सदस्य दीपक सिंह, निवर्तमान प्रदेश उपाध्यक्ष आलोक प्रसाद, निवर्तमान प्रदेश महासचिव संगठन अनिल यादव, पिछड़ा वर्ग विभाग कांग्रेस उत्तर प्रदेश के चेयरमैन मनोज यादव, अंकित तिवारी, अनस रहमान, संजय दीक्षित और मनीष हिंदवी भी बैठक में शामिल रहे।बैठक को संबोधित करते हुए अविनाश पाण्डेय ने कहा कि यह चुनावी वर्ष है और पार्टी के सामने पंचायत चुनाव, एमएलसी चुनाव और विधानसभा चुनाव जैसी बड़ी चुनौतियां हैं। उन्होंने कहा कि इन सभी चुनावों को ध्यान में रखते हुए एक विस्तृत और ठोस रोडमैप तैयार करना होगा तथा प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर मजबूत संगठन खड़ा करना समय की मांग है।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय राय ने अपने संबोधन में कहा कि आने वाले 100 दिनों के भीतर प्रदेशभर में 30 से अधिक संविधान संवाद रैलियों का आयोजन किया जाएगा। इन रैलियों के माध्यम से जनता की समस्याओं को मजबूती के साथ उठाया जाएगा और संविधान तथा लोकतंत्र की रक्षा का संदेश जन–जन तक पहुंचाया जाएगा। संगठन सृजन पर बोलते हुए राजेश तिवारी ने कहा कि पिछले आठ महीनों की मेहनत से बूथ स्तर तक एक सशक्त संगठन तैयार किया गया है और इसी संगठन के बल पर कांग्रेस 2027 के रण में उतरेगी।बैठक में यह भी जानकारी दी गई कि आगामी 12 जनवरी को प्रियंका गांधी के जन्मदिवस के अवसर पर प्रदेश के सभी मंडलों पर प्रेस वार्ताएं आयोजित कर 100 दिन की कार्ययोजना घोषित की जाएगी। इस संबंध में आराधना मिश्रा मोना ने बताया कि पहले प्रेस वार्ता होगी और उसके बाद प्रियंका गांधी के जन्मदिन से जुड़े कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।पंचायत चुनाव पर बोलते हुए धीरज गुर्जर ने कहा कि यह एक ऐसा जमीनी चुनाव है, जो आने वाले विधानसभा चुनाव की दिशा और दशा तय करेगा। वहीं एसआईआर प्रक्रिया को लेकर तौकीर आलम ने कहा कि प्रदेश में जिन मतदाताओं के नाम काटे गए हैं, उन्हें लेकर पार्टी ने एसआईआर कोऑर्डिनेशन कमेटी का गठन किया है। उन्होंने कहा कि पिछले चार नवंबर से की गई मेहनत से आगे के एक महीने में दोगुनी मेहनत करनी होगी, ताकि वैध मतदाताओं के नाम जुड़वाए जा सकें और भाजपा को फर्जी वोटर बनवाने से रोका जा सके।

विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण2026 के अंतर्गत निर्वाचन अधिकारियों का प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या। विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षणद्2026 को सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं प्रभावी ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से जिलाधिकारीध जिला निर्वाचन अधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया।प्रशिक्षण में जनपद के समस्त निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी, सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी एवं अतिरिक्त सहायक निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी उपस्थित रहे। जिला निर्वाचन अधिकारी ने फुंडे ने प्रशिक्षण कार्यक्रम में वर्ष 2003 की मतदाता सूची से मतदाता की लिंकिंग न होने पर

उन्हें नोटिस जारी करने,नोटिस पर सुनवाई व निर्णय लेने की प्रक्रिया का प्रशिक्षण दिया गया। उन्होंने कहा कि नोटिस जारी करने के एक सप्ताह के बाद सुनवाई करनी है।एक बार में 150 लोगो को नोटिस जारी किया जा सकती है। नोटिस तामिला कराते समय संबंधित बीएलओ को यदि नोटिस प्राप्तकर्ता द्वारा मा0 निर्वाचन आयोग के 13 डॉक्यूमेंट में से यदि कोई स्वयं सत्यापित डॉक्यूमेंट दिया जाता है तो बीएलओ उसे स्वीकार करेंगे।आधार कार्ड के संबंध में आयोग के निर्देश लागू होंगे। नोटिस जारी करते समय पूर्ण पारदर्शिता का पालन करना है।कार्यक्रम में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनिरूद्ध प्रताप सिंह ने विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की रूपरेखा, समय–सारिणी एवं प्रमुख उद्देश्यों पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि पात्र नागरिकों का नाम निर्वाचक नामावली में शत–प्रतिशत जोड़ा जाए, अपात्र एवं मृत मतदाताओं के नाम नियमानुसार हटाए जाएं तथा किसी भी स्तर पर त्रुटि की संभावना न रहे। अधिकारियों को जनसहभागिता बढ़ाने, बीएलओ के साथ समन्वय सुदृढ़ करने तथा व्यापक प्रचार–प्रसार के माध्यम से अधिकतम पात्र मतदाताओं को जोड़ने के निर्देश भी दिए गए। प्रशिक्षण सत्र में उपस्थित अधिकारियों द्वारा उठाए गए प्रश्नों का समाधान किया गया और व्यावहारिक पहलुओं पर मार्गदर्शन प्रदान किया गया। बैठक में निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी सुधीर कुमार, श्रेया, सविता व रामप्रसाद त्रिपाठी व निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी उपस्थित रहे।

'होमटेल आलमबाग में `जश्न–ए–अवध': नवाबी स्वाद का दस दिन का खास आयोजन'

लखनऊ। लखनऊ की मशहूर नवाबी रसोई और अवध के पारंपरिक स्वाद को करीब से महसूस कराने के लिए होमटेल बाय सरोवर, आलमबाग द्वारा 'जश्न–ए–अवध' फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जा रहा है। यह विशेष फूड फेस्टिवल 12 जनवरी से 21 जनवरी 2026 तक कुल 10 दिनों तक आयोजित होगा, जिसमें शहर के खानपान प्रेमियों को अवध की पहचान माने जाने वाले व्यंजनों का स्वाद एक ही जगह मिलेगा। मेहमानों के लिए सर्दियों के मौसम को ध्यान में रखते हुए गलौटी कबाब, धीमी आंच पर पकाई गई निहारी, खुशबूदार लखनवी बिरयानी और पारंपरिक शाही टुकड़ा जैसे व्यंजन परोसे जाएंगे। इन व्यंजनों की खास बात यह होगी कि

इन्हें पारंपरिक तरीकों से तैयार किया जाएगा, ताकि अवध के पुराने स्वाद और खुशबू को बरकरार रखा जा सके। फूड फेस्टिवल के माहौल को और खास बनाने के लिए पारंपरिक सजावट के साथ सुकून भरी गजलों की प्रस्तुति भी होगी, जिससे मेहमानों को नवाबी दौर की शामों का एहसास मिल सके। यह फेस्टिवल खास तौर पर परिवारों के लिए तैयार किया गया है, जहां वे सर्द शामों में अच्छे खाने और शांत माहौल के साथ समय बिता सकें। 'जश्न–ए–अवध' फूड फेस्टिवल हर रोज शाम 7रू30 बजे से डिनर के दौरान आयोजित किया जाएगा। यह आयोजन होमटेल बाय सरोवर, आलमबाग, लखनऊ में होगा और शहर के लोगों के लिए लखनवी स्वाद और तहजीब को घुलकर एक होते महसूस करने का शानदार मौका होगा।

संक्षिप्त खबरें

राम मंदिर की सुरक्षा को तैयार हुआ आधुनिक कंट्रोल रूम

(डाक्टर अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। राम मंदिर की सुरक्षा को सुनिश्चित करने के लिए योगी सरकार ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के ठीक बाहर पुलिस विभाग की 12 हजार वर्ग फीट भूमि पर एक आधुनिक प्रशासनिक भवन और कंट्रोल रूम का निर्माण पूरा हो चुका है।यह भवन 1128.75 लाख रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इस प्रोजेक्ट को गृह विभाग द्वारा संचालित किया गया है। निर्माण कार्य दिसंबर 2023 में निर्माण संस्था सीएंडडीएस के माध्यम से शुरू हुआ था। जी प्लस वन मंजिला इस भवन में बेसमेंट में मुख्य कंट्रोल रूम स्थापित किया जाएगा। यह कंट्रोल रूम अत्याधुनिक तकनीक से लैस होगा, जहां से सीसीटीवी फुटेज, भीड़ प्रबंधन, यातायात नियंत्रण और आपातकालीन सेवाओं का रीयल–टाइम मॉनिटरिंग की जा सकेगी।भवन में वेद मंदिर के निकट बने भवन में आंतरिक स्थल विकास कार्य के अंतर्गत कई आधुनिक सुविधाएं शामिल की गई हैं। इनमें सीसी रोड (सीमेंट कंक्रीट रोड), रेन वाटर हार्वेस्टिंग सिस्टम, वाह्य जलमल निकासी व्यवस्था, वातानुकूलित (एयर–कंडीशन्ड) तंत्र, सबमर्सिबल पम्प के साथ बोरिंग, हाई–स्पीड लिफ्ट, पूर्ण विद्युतीकरण, मजबूत बाउंड्रीवाल, एमएस गेट और 160 केवीए का डीजल जनरेटर सेट प्रमुख है। ये सभी सुविधाएं भवन को पर्यावरण–अनुकूल, ऊर्जा–कुशल और आपात स्थिति में आत्मनिर्भर बनाती हैं। कार्यदायी संस्था सीएनडीएस के परियोजना प्रबंधक देवव्रत पवार ने बताया कि 98 फीसदी कार्य पूरा हो चुका है। बाउंड्रीवाल का कार्य प्रगति पर है। यह भवन जल्द ही लोकार्पण के लिए तैयार है। लोकार्पण के बाद इसे पूरी तरह से चालू कर दिया जाएगा। यह नया भवन विशेष रूप से पुलिस विभाग द्वारा संचालित होगा और राम जन्मभूमि परिसर के आसपास की हर गतिविधि पर पैनी नजर रख सकेगा।

कृषि मंत्री व सूर्य प्रताप शाही ने राजर्षि दशरथ स्वशाषी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय दर्शननगर का किया निरीक्षण

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या।सोमवार को कृषि मंत्री व प्रभारी मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने महापौर अयोध्या महंत गिरीश पति त्रिपाठी, जिलाधिकारी निखिल टीकाराम फुंडे के साथ राजर्षि दशरथ स्वशाषी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय एवं सम्बद्ध चिकित्सालय दर्शननगर का निरीक्षण किया।निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने चिकित्सालय की स्वास्थ्य सेवाओं, चिकित्सकीय व्यवस्थाओं, साफ–सफाई, दवा उपलब्धता एवं मरीजों को दी जा रही सुविधाओं का जायजा लिया। उपस्थित चिकित्सकों एवं अधिकारियों से संवाद कर आमजन को बेहतर, समयबद्ध और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्धा कराने के लिए आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। जनसेवा और जनस्वास्थ्य के प्रति सरकार पूर्णतः प्रतिबद्ध है और इसे और सुदृढ़ करने हेतु निरंतर प्रयास जारी रहेंगे। प्रभारी मंत्री ने ओ0पी0डी0, मरीज पंजीकरण केन्द्र, आयुष्मान सेंटर, डिजिटल एक्सरे, स्त्री एवं प्रसूति रोग काउंटर, मेडिसीन ओ0पी0डी0 कक्ष, एन0सी0डी0 कैंसर, मधुमेह हृदय रोग कक्ष, चेस्ट एवं टी0वी0 ओ0पी0डी0 कक्ष, आर्थो ओ0पी0डी0 का निरीक्षण किया व सम्बंधित चिकित्सकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिये। निरीक्षण के दौरान प्रभारी मंत्री ने मरीज पंजीकरण केन्द्र पर कम्प्यूटर आपरेटर से मरीज के पंजीकरण के बारे में जानकारी ली। उन्होंने चिकित्सालय में शौचालय की साफ सफाई को भी देखा और अच्छी व बेहतर तरह से साफ सफाई कराने के निर्देश दिए तथा आहार विशेषज्ञ कक्ष, ई0सी0जी0 कक्ष व उपस्थिति रजिस्टर की भी जानकारी ली। प्रभारी मंत्री ने अस्पताल में भर्ती मरीजों से बातचीत की और दवा एवं समय समय पर डॉक्टर मरीज को देखने व पर्याप्त मात्रा में दवा उपलब्ध रहने तथा मरीजों को किसी भी प्रकार की दिक्कत न हों, का निर्देश सम्बंधित चिकित्सकों को दिये। उन्होंने डाक्टरों की भी जानकारी की कितने डॉक्टर कितने स्टाफ है और जिन डाक्टरों की मौके पर ड्यूटी लगी हुई थी और न समय से न मिल जाने पर उन पर नाराजगी जतायी तथा समय समय पर मरीजों को देखने के निर्देश दिये। उन्होंने सी0एम0एस0 के मौके पर न रहने और बिना बताये आफिस छोड़ने पर सख्त नाराजगी जतायी।निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी कृष्ण कुमार सिंह, डा0 वीरेंद्र वर्मा,एसोसिएट प्रोफेसर मेडिसिन,डा0 विमलेश कुमार वर्मा, प्रोफेसर मेडिसिन, डा0 विनोद आर्या, डा0 आनंद शुक्ला, डा0 महेश वर्मा, मेडिकल कालेज के चिकित्सक, अन्य अधिकारीगण व स्टाफ उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा माह के तहत 85 वाहनों का हुआ चालान

अयोध्या।सोमवार को राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत सड़क सुरक्षा संबंधी नियमों के व्यापक प्रचार–प्रसार के बाद एआरटीओ प्रवर्तन आरपी सिंह ने यात्री कर अधिकारी के चेकिंग अभियान चलाया। इस मौके पर इन दोनों अधिकारियो ने हेलमेट, सीटबेल्ट का प्रयोग करते न पाए जाने तथा वाहन चलाते समय मोबाइल फोन का प्रयोग करते पाए जाने पर 85 वाहनों का चालान किया गया।वही राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत आज 12 जनवरी को रोडवेज बस अड्डे पर स्वास्थ्य प्रशिक्षण शिविर का भी आयोजन किया गया।जिसमें 28 चालकों का परीक्षण भी किया गया। परीक्षण के दौरान सभी चालक स्वस्थ पाए गए।योजना के अंतर्गत लोगों को जागरूक करने के लिए पंपलेट वितरण करते हुए राहगीर योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

'पाली थाने पर पुलिस अभिरक्षा में पति ने पत्नी को मारी गोली'

'रिपोर्ट–जनार्दन श्रीवास्तव'

'पाली–(हरदोई)' पाली थाना परिसर में सोमवार को उस समय हड़कंप मच गया, जब पति ने पुलिस अभिरक्षा में पत्नी को गोली मार दी। घटना के बाद थाना परिसर में अफरा–तफरी का माहौल बन गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित

महिला बीती 7 जनवरी को किसी व्यक्ति के साथ घर से चली गई थी, पति ने 8 जनवरी को सुरजीत पुत्र अरविंद निवासी बख्तावरगंज जिला शाहजहांपुर के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। तहरीर में वादी अनूप निवासी अटरिया रामापुर ने बताया कि उसकी पत्नी सोनी (30) किसी व्यक्ति के साथ चली गई थी। पाली पुलिस ने रविवार को महिला को बरामद कर लिया और महिला को थाने ले आई। सोमवार सुबह लगभग 10:45 बजे महिला का पति आया और मेस से खाना खाकर लौट रही महिला को देखकर उसने अपना आपा खो दिया और अचानक तमंचा निकालकर महिला को पीछे से पीठ पर गोली मार दी। गोली लगते ही महिला लहूलुहान होकर गिर पड़ी। घटना से पुलिस महकमे में खलबली मच गई। आनन–फानन में पुलिसकर्मियों ने महिला को जिला अस्पताल हरदोई पहुंचाया जहाँ इलाज के दौरान महिला की मौत हो गई। वहीं पुलिस ने महिला के पति को मौका ए वारदात अवैद्ध शस्त्र सहित पकड कर हिरासत में ले लिया।महिला आरक्षी संजना राजपूत और इस मुकदमे के आईओ विक्रांत चौधरी को उनके द्वारा जो लापरवाही सामने आई है, पुलिस अधीक्षक ने दोनों पुलिस कर्मियों को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। आरोपी पति के भाई को भी हिरासत में ले लिया है और उससे पूछताछ की जा रही है। थाना परिसर में सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। मामले को लेकर पुलिस अधीक्षक ने संज्ञान लिया है और पूरे प्रकरण की जांच के निर्देश दिए हैं। दिनदहाड़े थाने के अंदर हुई इस सनसनीखेज घटना ने पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल खड़े कर दिए हैं। पुलिस अधीक्षक का कहना है कि इस पूरे घटनाक्रम की जांच अपर पुलिस अधीक्षक पश्चिमी को सौंपी गई है। इसमें किसी अन्य व्यक्ति की लापरवाही सामने आती है तो उस पर भी विभागीय कार्यवाही की जायेगी।

युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग द्वारा वितरित किया गया प्रमाण पत्र

अयोध्या।युवा कल्याण एवं प्रांतीय रक्षक दल विभाग द्वारा राष्ट्रीय युवा दिवस के अवसर पर विकास खंड स्तर के विवेकानंद यूथ अवॉर्ड विजेता युवकध् महिला मंगल दल को विकास खंड पर प्रणाम पत्र वितरित किया गया।सोमवार को विकास खंड मिल्कीपुर में क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी विशाल वर्मा द्वारा युवक मंगल दल नेवली विकास खंड पूरा बाजार तथा क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी दीक्षा तिवारी द्वारा युवक मंगल दल सनेथू विकास खंड मया बाजार मे वितरित किया गया।क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अमन वर्मा द्वारा युवक मंगल दल चिरकिटहा को यूथ अवॉर्ड प्रदान किया गया।विकास खंड मसौधा,सोहावल, मवई एवं रुदौली के विवेकानंद यूथ अवॉर्ड विजेता मंगल दल को लखनऊ में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में आयोजित मुख्यमंत्री के कार्यक्रम विवेकानंद यूथ अवॉर्ड प्रदान किया गया।क्षेत्रीय युवा कल्याण अधिकारी अभिषेक चौबे द्वारा जीआईसी में राष्ट्रीय युवा दिवस कार्यक्रम का आयोजन किया गया।इस मौके पर बच्चों से संवाद एवं मुख्य मंत्री के अभिभाषण का लाइव प्रसारण दिखाया गया।साथ साथ विभागीय ग्रामीण स्टेडियम कोटडीह सरैया विकास खंड सोहावल, ग्रामीण स्टेडियम कंधई कला विकास खंड अमानीगंज एवं ग्रामीण स्टेडियम बेसिंह पूरा बाजार में राष्ट्रीय युवा दिवस के उपलक्ष्य में खेल का आयोजन कराया गया।

संक्षिप्त खबरें

सतहरिया इंडस्ट्रियल एस्टेट, में एमएसएमई उद्यमियों के लिए एमएसएमई के विकास पर आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर,। सतहरिया इंडस्ट्रियल एस्टेट, जिला जौनपुर, में एमएसएमई उद्यमियों के लिए एमएसएमई के विकास पर आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का आयोजन आईआईए जौनपुर चौप्टर के सहयोग से किया गया, जिसमें की क्षेत्र के विभिन्न औद्योगिक सेक्टर के अधिक से अधिक उद्यमियों ने प्रतिभाग किया गया। उन्हें निर्यात पैकेजिंग, बौद्धिक सम्पदा अधिकार–आईपीआर, जेम, उत्पाद प्रक्रिया, गुणवत्ता नियंत्रण, बैंकिंग सुविधाएं, निर्यात इन्शुरन्स, फूड टेक्नोलॉजी, मार्केटिंग के लिए राज्य एवं केंद्र सरकार की योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर मुख्य अथिति डॉ0 दिनेश चन्द्र, विशिष्ट अथिति मुख्य विकास अधिकारी ध्रुव खाडिया, जिंदल, चीफ एग्जीक्यूटिव, हाकिंस कुकेर्स लिमिटेड, जौनपुर अमित, उपजिलाधिकारी मछलीशहर सौरभ कुमार, न्यायिक मजिस्ट्रेट सूर्य प्रताप, चौप्टर चेयरमैन, आई आई ए चौप्टर ब्रिजेश यादव उपनिदेशक एफईआईओ कानपुर आलोक कुमार, रोहित जैन, डॉ अंशुमान श्रीवास्तव, आशुतोष राय, शोभित अग्रवाल आदि ने कार्यक्रम का उद्घाटन किया। निदेशक, एमएसएमई विकास कार्यालय, प्रयागराज एल.बी.एस. यादव ने अपने स्वागत संबोधन में सभी प्रतिभागी उद्यमियों का स्वागत करते हुए एमएसएमई योजनाओं के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की तथा उत्पाद की गुड़वत्ता पर विशेस ध्यान देने के लिए उद्यमियों को बताया। चीफ एग्जीक्यूटिव, हाकिंस कुकेर्स लिमिटेड, जौनपुर अमित जिंदल ने एमएसएम्ई विकास कार्यालय, प्रयागराज की सहराना करते हुए उत्पाद की गुड़वत्ता पर विशेस ध्यान देने के लिए उद्यमियों को बताया। आलोक कुमार, रोहित जैन, डॉ अंशुमान श्रीवास्तव, आशुतोष राय, शोभित अग्रवाल, सतीश यादव, मुरलीधर महतो, संदीप कुमार एमएसएमई उद्यमियों को प्रदान किये जा रहे बैंकिंग सुविधाओं, उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र, जौनपुर के द्वारा राज्य सरकार की योजनाओ के बारे में बताया गया। सहायक आयुक्त, जिला उद्योग एवं उद्यम प्रोत्साहन केंद्र, जौनपुर जयप्रकाश के द्वारा उद्यमियों का उत्साहवर्धन किया गया। अपने अध्यक्षीय संबोधन में जिलाधिकारीध्मुख्य अथिति डॉ0 दिनेश चन्द्र ने कार्यशाला में आये हुए सभी प्रतिभागियों के लिए संयुक्त निदेशक कार्यालय, एमएसएमई विकास कार्यालय, प्रयागराज द्वारा किये गए आयोजन के लिए सराहना की। कार्यक्रम के कोऑर्डिनेटर सहायक निदेशक संजय कुमार ने एमएसएमई मंत्रालय की सभी योजनाओं की पूरी जानकारी प्रतिभागियों को प्रदान की तथा सहायक निदेशक वैभव खरे एमएसएमई विकास कार्यालय, प्रयागराज ने सभी प्रतिभागी उद्यमियों को नवाचार एवं डिजिटल मार्केटिंग के बारे में बताते हुए धन्यवाद अर्पित किया। सहायक निदेशक एमएसएमई एस.के.गंगल ने ओपन हाउस वार्ता में प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर दिया। सहायक निदेशक एमएसएमई विकास कार्यालय, प्रयागराज प्रेमचन्द्र कुमार, ने कार्यक्रम के अंत मे धन्यवाद ज्ञापित किया। कपिलदेव राव, भानु प्रकाश, जनार्दन यादव ने कार्यक्रम में सहयोग किया। एमएसएमई राष्ट्रीय कार्यशाला में आईआईए जौनपुर चौप्टर द्वारा उद्योग क्षेत्र में विशिष्ट कार्य कर रहे उद्यमियों को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया स राष्ट्रीय कार्यशाला में लगभग 150 प्रतिभागियों ने लाभ लिया है।

पूर्व सांसद निर्मल खत्री ने बताई पार्टी की अगले 100 दिनों की कार्ययोजना

(राजन तिवारी संवाददाता अयोध्या धाम)

अयोध्या। पूर्व सांसद तथा उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष डॉक्टर निर्मल खत्री ने कांग्रेस पार्टी की 100 दिन की कार्य योजनाओं को बताई।सोमवार को आयोजित पत्रकार वार्ता मे उन्होंने यह कार्य योजना बताई।पूर्व सांसद डॉक्टर निर्मल खत्री ने कहा कि आज का दिन कांग्रेस पार्टी और लोकतंत्र में विश्वास रखने वाले हर नागरिक के लिए अत्यंत प्रेरणादायी है।आज प्रियंका गांधी वाड्रा का जन्मदिन है। इस अवसर पर कांग्रेस पार्टी इस चुनावी वर्ष में अगले 100 दिनों की कार्ययोजना की घोषणा करते हुए अपने चुनावी शंखनाद की शुरुआत कर रही है।निर्मल खत्री ने कहा आज भारतीय जनता पार्टी लोकतंत्र को कमजोर करने की साजिशों में लगी हुई है। भाजपा मनरेगा के कानूनी अस्तित्व को समाप्त कर उसे केवल एक योजना में बदलने, एसआईआर के माध्यम से वोट काटने और वोट चोरी जैसे अलोकतांत्रिक हथकंडों पर काम कर रही है। कांग्रेस पार्टी इन नापाक मंसूबों को किसी भी कीमत पर सफल नहीं होने देगी।उन्होंने कांग्रेस पार्टी द्वारा उत्तर प्रदेश में अगले 100 दिनों के कार्यक्रमों के बारे में बताते हुए कहा कि इन कार्य योजनाओं में सबसे पहले कांग्रेस पार्टी संविधान संवाद पंचायत का आयोजन करेगी। जननायक राहुल गांधी जी पिछले कई वर्षों से भाजपा सरकार के संविधान विरोधी प्रयासों के खिलाफ देशव्यापी संघर्ष कर रहे हैं। इसी क्रम में कांग्रेस पार्टी पूरे प्रदेश में 30 से अधिक "संविधान संवाद महापंचायतों" का आयोजन करेगी। इन महापंचायतों के माध्यम से योगी सरकार की विफलताओं को जनता के समक्ष उजागर किया जाएगा। इस अभियान की शुरुआत 24 जनवरी 2026 को जनपद सीतापुर से होगी, इसके पश्चात प्रदेश के अन्य जिलों में भी इनके आयोजन होंगे।निर्मल खत्री ने बताया कि चुनाव आयोग द्वारा कराये जा रहे एस. आई.आर. के प्रति भी पार्टी पूरी तरह से गंभीर है।पार्टी द्वारा सक्षम पदाधिकारियों को जिम्मेदारी सौंप कर जायज मतदाताओं के कटे नाम जुड़वाए जाएंगे छूटे हुए मतदाता शामिल कराए जाएंगे।नए मतदाताओं के फॉर्म–6 भरवाए जाएंगे। उन्होंने कहा पूरे प्रदेश में पार्टी पहले ही 1600 एसआईआर कोऑर्डिनेटर और लगभग 1 लाख बीएलए नियुक्त कर चुकी है, जो संगठन की जमीनी मजबूती को दर्शाता है।पूर्व सांसद डॉ निर्मल खत्री ने बताया कि इसी वर्ष पंचायत चुनाव होने हैं जिसमें जिले में कांग्रेस पार्टी मजबूत प्रत्याशियों को लड़ाने का प्रयास करेगी। निर्मल खत्री ने कार्य योजनाओं को बताते हुए भी कहा कि इस वर्ष हम लोग पार्टी का 140 वर्ष का गौरवपूर्ण स्थापना दिवस मना रहे हैं। जिसे आम आदमी तक पहुंचाने के लिए हम लोग विभिन्न आयोजन आने वाले समय में करेंगे।पत्रकार वार्ता में पार्टी जिलाध्यक्ष चेतनारायण सिंह, सुनील कृष्ण गौतम, राजेन्द्र प्रताप सिंह, शीतला पाठक, राम दास वर्मा, उग्रसेन, रामवधा पासी, उमेश उपाध्याय, लाल मो, रामेंद्र त्रिपाठी, डॉ विनोद गुप्ता, धर्मेंद्र फास्टर आदि उपस्थित थे।

अच्छा कार्य करने वालों को सम्मानित करती है संस्था - अशोक ध्यानचंद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट परिवार द्वारा स्थापना दिवस समारोह कार्यक्रम का आयोजन नगर के एक होटल में दीप प्रज्वलित कर किया गया, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में ओलम्पियन अर्जुन अवार्डी हॉकी के पूर्व खिलाड़ी अशोक ध्यानचंद, विशिष्ट अतिथि अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश तृतीय जिला विधिक सेवा प्राधिकरण प्रशांत कुमार सिंह, नगरपालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या, और भाजपा जिला अध्यक्ष अजित प्रजापति, रहे । कार्यक्रम का शुभारंभ नन्ही बिटिया श्रेया चौधरी के द्वारा गणेश वंदना से और अतिथियों के द्वारा दीप प्रज्वलित करके किया गया द्य सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान जिले के हॉकी खिलाडीध बच्चे , महिला सुरक्षा सम्मान, शिक्षक सम्मान, चिकित्सा सम्मान, पत्रकार सम्मान, सामाजिक संस्था सम्मान, ट्रस्ट परिवार सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि अशोक ध्यानचंद ने कहा कि ये मेरा सौभाग्य है कि मैं इस ट्रस्ट के माध्यम से दूसरी बार जौनपुर में आने को मिला, अशोक ध्यानचंद ने कहा कि जिस तरह से अतुल्य वेल्फेयर संस्था समाज में जुड़ के कार्य कर रहीं हैं यह एक मिशाल ही है,प्रशांत सिंह ने कहा कि आज समाज के हर वर्ग से जुड़कर कार्य कर रही है,

चाहे शिक्षक, चिकित्सक, समाजसेवी संस्था के साथ किन्नर समाज को भी मुख्य धारा से जोड़ने का कार्य किया है बहुत ही सराहनीय कार्य है,! जिला अध्यक्ष अजित प्रजापति ने कहा कि जिस तरह से कार्यक्रम में आज जिले के हॉकी खिलाड़ियों को प्रमुखता से बुलाकर सम्मानित कराना बहुत ही अच्छा संदेश दिया गया, नगरपालिका अध्यक्ष मनोरमा मौर्या ने कहा कि जिले में अच्छा कार्य करने वालों को सम्मानित करती है संस्था जो बहुत ही अच्छा संदेस है,कार्यक्रम अध्यक्ष डॉ समर बहादुर सिंह ने कहा कि संस्था से जुड़कर लोग सोसाइटी के लिए अच्छा कार्य करते हैं चाहे वह डॉक्टर हो, समाजसेवी हो, पत्रकार हो, शिक्षक हो या फिर पर्यावरण से जुड़े लोग हो ऐसे सभी लोगों का सम्मान करने का कार्य अतुल्य वेलफेयर ट्रस्ट परिवार करता है। कार्यक्रम में डॉ पी के सिंह, डॉ तेज सिंह, डॉ विजय कुमार सिंह, शशिकांत सिंह,अखिलेशवर शुक्ला, डॉ अरुण त्रिपाठी, जितेन्द्र यादव, राधिका सिंह, नागेंद्र सिंह, कंचन सिंह, कनक सिंह, पिंकी मौर्या, मीरा अग्रहरी, सरोज गुप्ता, पूनम सिंह, क्षमा सिंह, डॉ श्वेता गुप्ता, डॉ शकुंतला यादव, डॉ माया सिंह डॉ अल्केशवरी, ब्रहेश शुक्ला, शशांक रानू अंजू पाठक, दीपक श्रीवास्तव, नीलम मिश्रा रेनू अग्रहरी, दीपक सिंह मंटो, पीयूष गुप्ता,

मोहम्मद मुस्तफा, के साथ चिकित्सक, शिक्षक , समाजसेवी संस्था , धार्मिक संस्था व्यापारी बंधु के साथ तमाम विशिष्ट गणमान्य जन उपस्थित रहे। कार्यक्रम का शानदार संचालन दीपक सिंह चंदेल ने किया

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9415034002

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।